वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 194 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली सोमवार 28 सितंबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

गांव, किसान, देश का कृषि क्षेत्र 'आत्मनिर्भर भारत' के आधार

मन की बात: पीएम मोदी ने सुनाई किसानों की प्रेरणादायी कहानियां

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को गांव, किसान और देश के कृषि क्षेत्र को 'आत्मनिर्भर भारत' का आधार बताते हुए कहा कि ये जितने मजबूत होंगे, 'आत्मनिर्भर भारत' की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी।

आकाशवाणी पर मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 69वीं कड़ी में अपने विचार व्यक्त करते हुए मोदी ने कहा कि संसद से पारित कृषि सुधार विधेयकों के पारित होने के बाद देशभर के किसानों को अब उनकी इच्छा के अनुसार, जहां ज्यादा दाम मिले वहां बेचने की आजादी मिल गई है। मोदी ने इस अवसर पर कई राज्यों के किसानों और कुछ किसान संगठनों के अनुभवों तथा उनकी सफल कहानियों को साझा करते हुए यह संदेश देने की कोशिश की कि कैसे उन्हें उनके उत्पादों के एपीएमसी (कृषि उत्पाद विपणन समितियां) कानून से बाहर होने का फायदा मिला और कैसे अब वे बिना बिचैलिए के सीधे बाजार में अपने उत्पादों को बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभर के किसान उन्हें चिट्ठियां भेजकर और कुछ किसान संगठनों ने निजी बातचीत में उन्हें बताया कि कैसे खेती में नएनए आयाम जुड़ रहे हैं और बदलाव आ रहा है। कोरोना वायरस संक्रमण के बीच देश में बंपर फसल उत्पादन का जिक्र करते हुए

उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन दौर में भी कृषि क्षेत्र और देश के किसानों ने फिर से अपना दमखम दिखाया है। उन्होंने कहा, ''हमारे यहां कहा जाता है कि जो जमीन से जितना जुड़ा होता है, वह बड़े से बड़े तूफानों में भी उतना ही अधिक रहता है।

कोरोना के इस कठिन समय में हमारा कृषि क्षेत्र, हमारा किसान इसका जीवंत उदाहरण है। संकट के इस काल में भी हमारे देश के कृषि क्षेत्र ने फिर अपना दमखम दिखाया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''देश का कृषि क्षेत्र, हमारे किसान, हमारे गांव आत्मनिर्भर भारत का आधार हैं। ये मजबूत होंगे तो आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत होगी।'' मोदी ने हरियाणा, महाराष्ट्र और गुजरात के कुछ सफल किसानों तथा किसान समूहों का जिक्र करते हुए कहा कि बीते कुछ समय में कृषि क्षेत्र ने खुद को अनेक बंदिशों से आजाद किया है और अनेक मिथकों को तोड़ने का प्रयास किया है। हरियाणा के सोनीपत जिले के किसान कंवर चैहान की कहानी बताते हुए मोदी ने कहा कि एक समय था जब उन्हें मंडी से बाहर अपने फल और सब्जियां बेचने में बहुत दिक्कत आती थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में फल और सब्जियों को जब एपीएमसी कानून से बाहर कर दिया गया, तो इसका उन्हें और अन्य किसानों को फायदा हुआ। उन्होंने बताया कि चैहान ने साथी किसानों के साथ मिलकर एक किसान उत्पादक समूह की स्थापना की और ''स्वीट कार्न'' तथा ''बेबी कार्न'' की खेती आरंभ की। उन्होंने कहा, ''आज उनके उत्पाद दिल्ली की आजादपुर मंडी, बड़ी रिटेल चेन तथा पांच सितारा होटलों में सीधे आपूर्ति हो रहे हैं। आज ये किसान ढाई से तीन लाख रुपये प्रति एकड़ सालाना कमाई कर रहे हैं।

एपीएमसी से बाहर उपज बेचने पर किसानों को लाभः मोदी

नई दिल्ली। पंजाब, हरियाणा तथा देश के अन्य हिस्सों में कृषि संबंधी विधेयकों के विरोध के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि कृषि उपज विपणन समिति मंडी से बाहर अपनी फसल बेचने पर किसानों के लाभ हो रहा है और वे लाखों रूपये की आय अर्जित कर रहे हैं। मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना के इस कठिन समय में देश के कृषि क्षेत्र ने फिर दमखम दिखाया है। देश का कृषि क्षेत्र, किसान, गाँव, आत्मनिर्भर भारत का आधार है। ये मजबूत होंगे तो आत्मनिर्भर भारत की नींव मजबूत होगी। बीते कुछ समय में इन क्षेत्रों ने खुद को अनेक बंदिशों से आजाद किया है और अनेक मिथकों को तोड़ने का प्रयास किया है। मोदी ने हरियाणा में सोनीपत के किसान कंवर चैहान का उल्लेख किया और कहा कि उन्हें मंडी से बाहर अपने फल और सब्जियाँ बेचने में बहुत दिक्कत आती थी। अगर वह मंडी से बाहर, अपने फल और सब्जियां बेचते थे, तो, कई बार उनके फल, सब्जी और गाड़ियां तक जब्त हो जाती थी। लेकिन, 2014 में फल और सब्जियों को एपीएमसी कानून से बाहर कर दिया गया, इसका, उन्हें और आसपास के साथी किसानों को बहुत फायदा हुआ।

LAC पर सर्दियों के लिए सेना तैयार

आजादी के बाद का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक ऑपरेशन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव को कम करने की कोशिशों के बीच भारतीय सेना लद्दाख में सर्दियों में तैनाती की तैयारी कर रही है। उम्मीद है कि क्षेत्र में जल्द तनाव घट सकता है। आजादी के बाद दशकों में अपने सबसे बड़े सैन्य रसद ऑपरेशन में, भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगभग चार महीनों की भयावह सर्दियों से निपटने के लिए टैंक, भारी हथियार, गोला बारूद, ईंधन, भोजन और आवश्यक जरूरत की चीजों की आपूर्ति की है।

सेना के एक अधिकारी का कहना है कि अब तक यह सबसे बड़ा लॉजिस्टिक ऑपरेशन है जिसे लद्दाख में आजादी के बाद लागू किया गया है। सेना की उत्तरी कमान के ऑप्स लॉजिस्टिक्स (ऑपरेशन लॉजिस्टिक्स) विंग ने दूरदराज सरहद पर तैनात सैनिकों को खाना पीना और राशन इत्यादि को पहुंचाना शुरू कर दिया है, फिर वो कितनी ही विषम परिस्थितियां क्यूं ना हों। इसके लिए सेना की सर्विस कोर से लेकर एविएशनविंग और वायुसेना की मदद ली जा रही है। दरअसल चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल एमएम नरवणे, जुलाई के मध्य में शुरू हुई मैमथ एक्सरसाइज के कार्यान्वयन की योजना बनाने और उसकी देखरेख करने में व्यक्तिगत रूप से शामिल रहे हैं। लॉजिस्टिक ऑपरेशन के तहत, सेना ने बड़ी संख्या में कपड़े, टेंट, खाद्य सामग्री, संचार उपकरण, ईंधन, हीटर और अन्य सामानों को 16,000 फीट की ऊंचाई पर पहुंचाया गया है। वहीं किसी भी चीनी दुस्साहस से निपटने के लिए भारत ने पूर्वी लद्दाख में तीन अतिरिक्त सेना प्रभागों की तैनाती की है।

बता दें कि अक्टूबर से जनवरी तक तापमान शून्य से 5 से शून्य से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच होता है। सूत्रों के मुताबिक भारत ने यूरोप के कुछ देशों से सर्दियों के कपड़े और गियर आयात किए हैं और उन्हें पूर्वी लद्दाख में सैनिकों को पहले ही आपूर्ति की जा चुकी है।

वहीं सी 130 जे सुपर हरक्यूलिस और सी 17 ग्लोबमास्टर सहित भारतीय वायु सेना के लगभग सभी विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग क्षेत्र में हजारों टन भोजन, ईंधन और अन्य उपकरणों के परिवहन के लिए किया गया है। भले ही इस वक्त भारत और चीनी सेनाओं के बीच में एक बार फिर से बातचीत के जरिए मसले को सुलझाने की कोशिशें हो रही हैं ।

हाई अलर्ट पर सेना

भारतीय सेना ने सर्दियों के महीनों में पूर्वी लद्दाख में सभी प्रमुख क्षेत्रों में सैनिकों की अपनी मौजूदा ताकत को बनाए रखने का फैसला किया है क्योंकि चीन के साथ सीमा रेखा के जल्द समाधान का कोई संकेत नहीं था। भारतीय वायु सेना ने भी वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ आगे के हवाई ठिकानों में हाई अलर्ट पर रहने का फैसला किया है। जानकारी के मुताबिक चीन ने भी सर्दियों भर एलएसी पर रहने की पूरी तैयारी की है। एक सीनियर अधिकारी का कहना है चीन पर आंख मूंद कर भरोसा नहीं कर रहे हैं। जॉइंट स्टेटमेंट आना अच्छा स्टार्ट पॉइंट हैं। हम तनाव खत्म करना चाहते हैं पर चीन जो कह रहा है वह ग्राउंड पर भी दिखना चाहिए। जब तक चीन के सैनिक पीछे नहीं हटते, हम तब तक बिल्कुल भी ढिलाई नहीं बरतेंगे। भारतीय सैनिक पूरी तरह तैनात और सतर्क रहेंगे।

एनसीबी ने जब्त किए दीपिका रकुल, सिमोन, करिश्मा के फोन

(विशेष संवाददाता)

मुंबई, 27 सितंबर । बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में बॉलीवुड अभिनेत्रियों रकुलप्रीत सिंह, दीपिका पादुकोण, उनकी पूर्व मैनेजर करिश्मा प्रकाश और फैशन डिजाइनर सिमोन खंबाटा से ड्रग्स मामले में पूछताछ कर रही नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उनके मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। गौरतलब है कि अभिनेत्रियों से शुक्रवार और शनिवार को पूछताछ हुई थी।

एनसीबी के एक सूत्र ने कहा, 'दीपिका, करिश्मा, रकुल और खंबाटा के फोन को एनसीबी ने भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत जब्त कर लिया है।' दीपिका और करिश्मा से शनिवार को और रकुल और खंबाटा से शुक्रवार को कई घंटों तक पूछताछ के बाद फोन जब्त किए गए हैं। एनसीबी ने दीपिका से शनिवार को पांच घंटे और रकुल से शुक्रवार को चार घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। वहीं करिश्मा से लगातार दो दिन शुक्रवार और

शनिवार को पूछताछ की गई, जबकि खंबाटा से शुक्रवार को पूछताछ की गई। सूत्र ने कहा कि एजेंसी ने उनके फोन को कथित 'ड्रग' चैट के साक्ष्य के रूप में एकत्र कर लिया। सूत्र ने यह भी बताया कि एनसीबी ने सुशांत की पूर्व टैलेंट मैनेजर जया साहा का फोन भी जब्त किया है। दीपिका, रकुल, खंबाटा और करिश्मा के अलावा, एनसीबी ने शनिवार को बॉलीवुड अभिनेत्रियों श्रद्धा कपूर और सारा अली खान से भी कई घंटों तक पूछताछ की थी। ईडी द्वारा दीपिका और उनकी मैनेजर की साल 2017 में कथित ड्रग चैट पाए जाने के बाद एनसीबी से मामला दर्ज करने का अनुरोध किया था, जिसके बाद एनसीबी ने मामला दर्ज किया। रकुल और खंबाटा के फोन भी जब्त कर लिए गए हैं, क्योंकि दोनों सुशांत की प्रेमिका रिया चक्रवर्ती की करीबी दोस्त हैं। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में तीन दिनों तक पूछताछ के बाद रिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। रिया के अलावा, एनसीबी ने इस मामले के सिलसिले में उसके भाई शोविक और 17 अन्य को भी गिरफ्तार किया है।

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अदालत से गुहार लगाई है कि मीडिया को फौरन अंतरिम निर्देश देकर अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से जुड़ी ड्रग जांच से जोड़कर उनके खिलाफ रनिंग शो के प्रसारण या आलेखों का प्रकाशन करने से रोका जाए। अधिवक्ता हिमांशु यादव, अमन हिंगोरानी और श्वेता हिंगोरानी के माध्यम से दायर याचिका में दावा किया गया है कि रकुल प्रीत फिल्म कर शूटिंग के सिलसिले में इस समय हैदराबाद में हैं।

देश में कोविड से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 50 लाख के करीब पहुंची

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर । देश में गत 24 घंटे में कोविड19 से 92,043 मरीजों के ठीक होने के साथ ही भारत में इस महमारी को मात देने वालों की संख्या 50 लाख के करीब पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इसके साथ ही उपचाराधीन मरीजों के मुकाबले ठीक वाले मरीजों की संख्या 39,85,225 अधिक है।

गत कुछ दिनों से रोजाना ठीक होने वाले मरीजों की औसत संख्या 90 हजार से अधिक है। इस तथ्य को रेखांकित करते हुए मंत्रालय ने कहा,'' रोजाना मरीजों के ठीक होने की दर से भारत का वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक मरीजों के ठीक होने का दर्जा बना हुआ है।'' मंत्रालय द्वारा रविवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक गत 24 घंटे में देश में 92 हजार लोग कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त हुए जबकि इस अवधि में करीब 86,000 नये मामले सामने आए। मंत्रालय ने रेखांकित किया, '' ठीक होने की संख्या बढ़ने के साथ देश में कोविड19 मरीजों के ठीक होने की दर 82.46 प्रतिशत पर पहुंच गई है।'' मंत्रालय ने बताया कि 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में नये मामलों के मुकाबले ठीक हुए मरीजों की संख्या अधिक है।

नौकरी छोड़ भ्रूण हत्या के धंधे में उतरी नर्स

(विशेष संवाददाता)

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुरैना में गर्भ में पल रहे बच्चे के लिंग की पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन से जांच कर सात हजार रुपए में गर्भपात करने का मामला सामना आया है। इस गोरखधंधे में उतरी नर्स ने शहर के एक निजी नर्सिंग होम में गर्भपात करना सीखा और रैकेट से जुड़कर यह काम शुरू कर दिया। जिस मकान में यह गर्भपात की दुकान संचालित थी, डॉक्टर ने उसकी दूसरी मंजिल पर मिनी क्लीनिक बना रखा था। इसमें अल्ट्रासाउंड मशीन के अलावा सक्शन मशीन, गर्भपात में उपयोग होने वाली दवाइयां, इंजेक्शन, ग्लब्स, प्रतिबंधित ऑक्सीटॉसिन इंजेक्शन सहित गर्भपात में प्रयुक्त होने वाला काफी सामान मिला है। पीसीपीएनडीटी एडवाइजरी कमेटी की मेंबर्स मीना शर्मा ने बताया कि रैकेट को रंगेहाथों पकड़ने के लिए शहर की ही छह माह की एक गर्भवती महिला को ग्राहक बनाया गया। फिर उसके साथ दो आरक्षक को सहयोगी बनाकर गर्भपात करने वाली नर्स रेखा सेंगर के पास भेजा। सौदा सात हजार में तय हुआ। नर्स ने महिला के सभी चेकअप किए। इसके बाद रैकेट का मुखिया झोलाछाप डॉक्टर अपनी पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन लेकर आ गया। जांच के बाद बताया गया कि फीमेल चाइल्ड है। तभी टीम ने घर में दबिश देकर आरोपी नर्स रेखा सेंगर और दुर्गेश श्रीवास को दबोच लिया।

राष्ट्रपति ने तीनों कृषि विधेयकों को मंजूरी दी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश के विभिन्न हिस्सों में कृषि विधेयकों को लेकर हंगामा मचा है। किसानों के साथ साथ तमाम विपक्षी दलों के नेता इन विधेयकों के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शनों में शामिल हो रहे हैं।

इस बीच राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने संसद द्वारा पारित कृषि विधेयकों को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के साथ ही अब तीनों विधेयक कानून बन गए हैं। इन कानूनों में कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) एक्ट 2020 और किसान (बंदोबस्ती और सुरक्षा) समझौता और कृषि सेवा अधिनियम 2020 शामिल हैं। इसके साथ ही राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जम्मू कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक2020 को भी मंजूरी दे दी। इस मंजूरी के बाद इस विधेयक ने कानून का रूप ले लिया है। इस कानून के जरिए जम्मू कश्मीर की आधिकारिक भाषाओं की सूची में उर्दू और अंग्रेजी के अतिरिक्त कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल किया गया है। हाल में मानसून सत्र के दौरान संसद ने जम्मू कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक को पारित किया था। जारी गजट अधिसूचना के मुताबिक, जम्मू कश्मीर आधिकारिक भाषा विधेयक2020 को राष्ट्रपति ने 26 सितंबर को अपनी मंजूरी दी है... कृषि उत्पादन व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) विधेयक किसानों को उनकी उपज देश में कहीं भी, किसी भी व्यक्ति या संस्था को बेचने की इजाजत देता है। इसके जरिये एक देश, एक बाजार की अवधारणा लागू की जाएगी। किसान अपना उत्पाद खेत में या व्यापारिक प्लेटफॉर्म पर देश में कहीं भी बेच सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस पर निकली कौर राइड

महिलाओं ने कोख और वृक्ष को बचाने के दिए संदेश, बाँटे गए पौधे

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर जागो पार्टी की यूथ कौर ब्रिगेड की अध्यक्षा अवनीत कौर भाटिया की तरफ से अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस को समर्पित कौर राइड मोमेंटस मॉल मोती नगर से पेसिफिक मॉल सुभाष नगर तक निकाली गई।

बेटियों की भ्रूण हत्या एवं पेड़ों की कटाई रोकने तथा हरियाली बढ़ाने की मंशा से राइड की समाप्ति पर सभी बेटियोंबहनों को पौधे प्रसाद के तौर पर वितरित किए गए। इस मौके जागो पार्टी के महासचिव तथा मुख्य प्रवक्ता परमिंदर पाल सिंह ने भी महिलाओं की हौसला अफजाई के लिए साइकिल की सवारी की।

परमिंदर ने कहा कि बेटी दिवस को मनाने का यह प्रयास कोख और वृक्ष को बचाने की मुहिम के साथ जुड़ कर ओर पवित्र हो गया है। कौर राइड का यह सिलसिला अब समाज में जागृति पैदा करने तथा सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई का माध्यम भी बन गया हैं यही कारण हैं कि कौर राइड के काफिले में हर बार इजाफा हो रहा है। अवनीत ने कौर राइड में भाग लेने वाली कुछ महिलाओं से मिले तजुर्बों को साझा करते हुए बताया कि आज बेटियों को सशक्त और जागरूक बनाना समय की जरूरत है। इसलिए यूथ कौर ब्रिगेड लगातार महिलाओं के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए कौर राइड को हर बार रोचक तथा प्रभावी बनाने की कोशिश में लगी है। जागो पार्टी के दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नत्था सिंह ने महिलाओं को पौधे वितरण करने के बाद साफ कहा कि करता पुरख जब तक ना चाहे, हम अच्छा काम सोचकर भी नहीं कर सकते। बेटीयों के भावनात्मक तथा रचनात्मक उत्थान के लिए अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस मनाने का यह अनोखा प्रयास सराहनीय है। इस मौके बड़ी संख्या में महिलाओं ने साइकिल तथा स्कूटी के साथ कौर राइड में हाजरी भरी।

उत्तर प्रदेश में सुरक्षित नहीं है बहन-बेटियां: मायावती

(विशेष संवाददाता)

लखनऊ, 27 सितंबर । बसपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने हाथरस में एक लड़की से हुई दरिंदगी की घटना की कड़ी निंदा करते हुए रविवार को राज्य सरकार से ऐसी घटनाओं को रोकने पर ध्यान देने की मांग की।

मायावती ने रविवार को किए गए ट्वीट में कहा 'यूपी के जिला हाथरस में एक दलित लड़की को पहले बुरी तरह से पीटा गया, फिर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, जो अतिशर्मनाक व अतिनिन्दनीय जबकि अन्य समाज की बहनबेटियाँ भी अब प्रदेश में सुरक्षित नहीं हैं। सरकार इस ओर जरूर ध्यान दे। बसपा की यह माँग है।' गौरतलब है कि गत 14 सितंबर को प्रदेश के हाथरस जिले के चंदपा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में 19 साल की एक दलित लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म की वारदात हुई थी।

पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हाथरस के पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर के मुताबिक लड़की ने बलात्कार की वारदात के बारे में पुलिस को पहले कुछ नहीं बताया था मगर बाद में मजिस्ट्रेट को दिए गए बयान में उसने आरोप लगाया कि संदीप, रामू, लव कुश और रवि नामक युवकों ने उसे अपनी हवस का शिकार बनाया था।

विरोध करने पर जान से मारने की कोशिश करते हुए उसका गला दबाया। लड़की को अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है।

एक नजर

जामिया प्रवेश परीक्षा की तारीख की घोषणा

नई दिल्ली। जामिया मिलिया इस्लामिया ने रविवार को घोषणा की कि स्नातक, परा स्नातक और डिप्लोमा के 126 कार्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा 10 अक्तूबर से शुरू होगी। विश्वविद्यालय ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों के दौरान करीब 12,000 छात्र प्रवेश परीक्षा में भाग ले सकते थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण एक समय में 4,000 से अधिक छात्र नहीं बैठ सकते हैं। उन्होंने कहा कि वायरस की रोकथाम संबंधी नियमों का पालन सुनिश्चित करने के मद्देनजर विश्वविद्यालय दिल्ली में अन्य परीक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) से बातचीत कर रहा है। विश्वविद्यालय ने कहा कि दिल्ली में परीक्षा केंद्रों की कुल संख्या को आने वाले कुछ दिनों में अंतिम रूप दिया जाएगा जबकि दिल्ली के बाहर के केंद्रों का उल्लेख पहले से ही विवरणपुस्तिका (प्रॉस्पेक्टस) में किया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (ईसी) ने 24 सितंबर को आयोजित बैठक में प्रवेश परीक्षा की तारीखों पर फैसला लिया। प्रवेश परीक्षा की तारीख से सात दिन पहले एडमिट कार्ड जामिया की वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे।

युवती को फेसबुक पर अश्लील संदेश भेजने वाला छात्र गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक स्नातक छात्र को फर्जी अकाउंट बनाकर फेसबुक पर एक युवती को अश्लील संदेश भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी रविवार को दी। उन्होंने कहा, आरोपी के मोबाइल फोन को जब्त कर लिया गया है। आरोपी कफील ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। उसने पुलिस को बताया कि उसे सोशल मीडिया पर युवतियों से दोस्ती करने और उन्हें अश्लील संदेश भेजने का शौक है। दक्षिणी दिल्ली के डीसीपी अतुल ठाकुर ने कहा, वह युवतियों को अपने झांसे में लाने के लिए फेक अकाउंट बनाता था। वह फेसबुक अकाउंट का पता लगाने और उन्हें अश्लील संदेश भेजने के लिए यूजर्स के हॉटस्पॉट या वाईफाई का इस्तेमाल करता था। इससे पहले कफील अपने फेसबुक पर करन के नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाकर खुद को जिम ट्रेनर के नाम पर महरौली में रहने वाली एक युवती को परेशान किया था।

दिल्ली में पुलिस वालों ने विवाद में पिट रहे व्यक्ति को बचाया

नई दिल्ली । दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में गश्त कर रही पुलिस टीम के समय पर हस्तक्षेप करने से एक 32 वर्षीय व्यक्ति की जान बच गई। भोजन को लेकर हुई बहस में कुछ लोग उस व्यक्ति को पीट रहे थे। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना कल रात एक ढाबे पर हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, हेड कांस्टेबल दामोदर और कांस्टेबल विजय डूडी, आनंद पर्वत की नई बस्ती में गश्त पर थे। रात 9.33 बजे, उन्होंने दो समूहों को लड़ाई करते हुए देखा। दामोदर ने हस्तक्षेप कर पीड़ित गौरव की जान बचाई। उसके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई थीं। आरोपी ढाबा मालिकों ने उस पर चाकू और बर्तन से हमला किया था। पुलिस उपाधीक्षक (मध्य) संजय भाटिया ने कहा कि गौरव अपने दोस्त प्रेम सागर (30) के साथ ढाबे पर गया था। वहां इन दोनों की ढाबा मालिकों नीलेश और आकाश के बीच खाने के ऑर्डर पर बहस हो गई। गौरव और उसका दोस्त जब ढाबे से बाहर निकले, तो नीलेश और आकाश ने उन पर हमला किया। गौरव के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर चाकू से चोट के निशान मिले। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया और घायलों को अस्पताल ले गई।

दिल्ली में 24 घंटे में 3,292 नए केस, 42 की मौत

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली । दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में उतारचढ़ाव का सिलसिला जारी है। देश की राजधानी दिल्ली में रविवार को 3,292 नए कोरोना केस सामने आए हैं। इससे पहले दिल्ली में शनिवार को 3,372, शुक्रवार को 3,827 और गुरुवार को 3,834 केस आए थे। वहीं, रविवार को एक दिन में कोरोना वायरस से संक्रमित 42 लोगों की मौत हुई है और 3,739 लोगों ने कोरोना को मात दी है।

दिल्ली में कोरोना वायरस के कुल मामले 2,71,114 हो चुके हैं, जिसमें से 2,36,651 लोगों ने कोरोना वायरस से रिकवरी की है। दिल्ली में कोरोना वायरस से मरने वाले मरीजों की कुल संख्या 5,235 पहुंच गई है। दिल्ली में अब भी कोरोना वायरस के 29,228 ऐक्टिव केस हैं। दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी के साथ ही कंटेनमेंट जोन में भारी इजाफा हुआ है। सितंबर महीने में 1300 से अधिक कंटेनमेंट जोन

बनाए गए हैं। जानकारी के अनुसार, दक्षिणपश्चिमी जिले में 388 कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं। वहीं दिल्ली के उत्तरी पश्चिमी जिले में 244 कंटेनमेंट जोन हैं। इसके अलावा उत्तरी दिल्ली में 221, पश्चिमी दिल्ली में 241, पूर्वी दिल्ली में 129, शाहदरा में 161, सेंट्रल दिल्ली में 217, दक्षिणी पूर्वी दिल्ली में 122, नई दिल्ली में 195, दक्षिणी दिल्ली में 227 और उत्तरी पूर्वी दिल्ली में 86 कंटेनमेंट जोन हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, दिल्ली में बीते कुछ दिनों में कोविड19 से होने वाली मौतों की संख्या में वृद्धि की वजह दिल्ली के बाहर से गंभीर हालत में मरीजों को लाना और होम क्वारंटीन से मरीज को अस्पताल में शिफ्ट करने के दौरान लगने वाला समय है। दिल्ली के प्रमुख सरकारी और निजी अस्पतालों के डॉक्टर जहां पर कोविड 19 मरीजों का इलाज चल रहा है। उन्होंने रविवार को कहा कि अब अधिकतर उन मरीजों की मौत हो रही है जिनकी उम्र 60 साल से अधिक है और वे अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हैं।

बीते सात दिनों में संक्रमित पाए जाने की दर 6.5 फीसदी रही। दो हफ्ते पहले यह 8.5 प्रतिशत थी और तीन हफ्ते पहले ये नौ फीसदी थी। जैन से पूछा गया कि कनॉट प्लेस, लाजपत नगर और लक्ष्मी नगर कोविड19 हॉटस्पॉट के तौर पर सामने आ रहे हैं? इस पर मंत्री ने कहा, 'लोग बाजारों में रहते नहीं हैं। वे रिहायशी इलाकों से आते हैं। बाजारों को कोरोना वायरस हॉटस्पॉट नहीं कहा जा सकता है। आवासीय क्षेत्र हॉटस्पॉट होते हैं।'

दिल्ली में मृत्यु दर पिछले 10 दिनों में एक फीसदी से नीचेः सत्येंद्र जैन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 सितंबर । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कोविड19 की मृत्यु दर पिछले 10 दिनों में एक फीसदी से भी नीचे रही है। कोरोना वायरस के संक्रमण का पता लगाने के लिए जांच में की गई वृद्धि की वजह से मामले बढ़े हैं। जैन ने कहा कि शनिवार को 3,372 नए मरीजों की पुष्टि हुई और 24 घंटे में 4,476 मरीज ठीक हुए।

उन्होंने कहा कि इसी अवधि में 46 संक्रमितों की मौत हुई, जो करीब 70 दिनों में सबसे ज्यादा है। मंत्री ने कहा, 'हम एक दिन की संख्या नहीं देखते हैं। पिछले 10 दिनों की औसत मृत्युदर 0.94 प्रतिशत है।' उन्होंने कहा, 'जिन मरीजों ने दम तोड़ा है, वे एक दिन में संक्रमित नहीं पाए गए थे।

वे 1520 दिन पहले संक्रमित पाए गए थे। इसलिए हम 10 दिन का औसत लेते हैं।' जैन ने कहा कि दिल्ली में मृत्यु दर 1.94 प्रतिशत है। पिछले चारपांच दिनों में दिल्ली के अस्पतालों में बेड खाली हुए हैं और फिलहाल 55 प्रतिशत बेड खाली पड़े हैं। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस से होने वाली मौतों का दैनिक ऑडिट करने के लिए तीन सदस्य समिति गठित की थी। जैन ने कहा कि इस समिति ने सभी अस्पतालों का दौरा किया और रिपोर्ट संतोषजनक है। उन्होंने कहा, 'कुछ खामियां थी जिन्हें दुरुस्त कर दिया गया। एक वक्त था जब मृत्यु दर चार प्रतिशत होती थी, लेकिन यह पिछले 10 दिनों में एक फीसदी से नीचे बनी हुई है।' राष्ट्रीय राजधानी में निषिद्ध क्षेत्रों की संख्या दो हजार के पार चली गई है, जिसपर जैन ने कहा कि यह वायरस को फैलने से रोकने की दिल्ली सरकार की रणनीति का हिस्सा है।

मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का 'प्रबल' प्रतिनिधित्व कियाः नड्डा

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 सितंबर । भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत का पक्ष मजबूती से रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की और कहा कि सर्वोच्च वैश्विक मंच पर उन्होंने अपने देश का ''प्रबल'' प्रतिनिधित्व किया। नड्डा ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधन में भारत की संस्कृति, संस्कार और सोच को सबके सामने प्रस्तुत करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रबल प्रतिनिधित्व किया, जिसका मैं हृदय की गहराई से स्वागत करता हूं।'' उन्होंने कहा कि 130 करोड़ भारतीयों का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के उद्देश्यों की आज के समय में प्रासंगिकता और आतंकवाद जैसे विषयों और कोरोना महामारी में उसकी भूमिका पर सवाल

भी उठाए। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद की समस्या तथा उससे हुई वैश्विक क्षति, कोरोना महामारी से निपटने के प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर आत्ममंथन करने की भी बात की। भारत को संयुक्त राष्ट्र की निर्णायक संरचना का हिस्सा बनाए जाने की भी उन्होंने बात की। '' नड्डा ने कहा कि भारत हमेशा शांति, सुरक्षा और समृद्धि का पक्षधर रहा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हुंकार भरते हुए मोदी ने इस सर्वोच्च वैश्विक संस्था की व्यवस्थाओं में सुधार को ''समय की मांग'' बताया और साथ ही सवाल दागा कि 130 करोड़ की आबादी वाले दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इसके निर्णय प्रक्रिया ढांचे से आखिर कब तक अलग रखा जाएगा? उन्होंने कहा कि इस वैश्विक मंच के माध्यम से भारत ने हमेशा ''विश्व कल्याण'' को प्राथमिकता दी है और अब वह अपने योगदान के मद्देनजर, इसमें अपनी व्यापक भूमिका देख रहा है।

हत्या करने के आए हमलावरों को पेट्रोलिंग करती पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली। आनंद पर्वत थाना क्षेत्र में ढाबे पर महज खाना देरी से देने पर ढाबा मालिक और दूसरे पक्ष में झड़प हो गई. हाथों में चाकू लिए युवक हत्या की कोशिश को अंजाम दे पाते इससे पहले बीट में तैनात हेड कॉन्स्टेबल दामोदर और सिपाही विजय घटनास्थल पर गस्त के दौरान पहुंच गए. जिन्होंने बड़ी बहादुरी के साथ पीड़ित पक्ष के युवक को बचा लिया. दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में हत्या करने के इरादे से आए लड़कों को पेट्रोलिंग करती पुलिस ने दबोच लिया. पकड़े गए आरोपी एक युवक पर चाकुओं से वार कर रहे थे. घटना रात 11:30 बजे आनंद पर्वत की नई बस्ती में हुई. जिसमें पुलिसकर्मियों ने बहादुरी दिखाते हुए युवक को चाकू मार रहे हमलावरों को पकड़ लिया. पुलिसकर्मियों ने हथियारों से लैस आधा दर्जन के करीब हमलावरों को काबू करने में जुट गए. कॉन्स्टेबल दमोदर ने उस वक्त किसी तरह अपने डंडे के सहारे गौरव और प्रेम सागर नाम के युवकों को हमलावरों के चुंगल से बचा लिया।

भगत सिंह के प्रपौत्र ने दिखाई साइकिलोथोन रैली को हरी झंडी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर शहीद भगत सिंह के 113वें जन्मदिन को समर्पित प्रकाश मोहल्ला स्पोटर्स क्लब के द्वारा साइकिलोथोन2020 का आयोजन किया गया।

पीले रंग की पगड़ी या हेडगियर से सजे हुए साइकिल सवारों की रैली को कालका जी के दशमेश चौक से मुख्य अतिथि शहीद भगत सिंह के प्रपौत्र यादविंदर सिंह संधू तथा शहीद भगत सिंह सेवादल के संस्थापक तथा पूर्व विधायक जतिंदर सिंह शंटी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। साइकिल रैली दिल्ली के कालका जी से ग्रेटर कैलाश पार्ट 1 गुरुद्वारा साहिब तक किया गया।

रैली के दौरान इंकलाब जिंदाबाद के नारे भी लगाए गए। रैली का स्वागत दिल्ली कमेटी के सदस्य हरजीत सिंह जीके ने गुरुद्वारा पहाड़ी वाला में किया। इस मौके सभी प्रतिभागीयों को प्रमाण पत्र दिए गए।

इस मौके पर यूथ विंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जसमीत सिंह, जागो पार्टी के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके के अस्वस्थ होने के कारण उनके पुत्र इशमोहन सिंह जीके अपनी साइकिल व साथियों के साथ रैली में शामिल हुए।

पेंशन के लंबित मामलों को दें प्राथमिकताः राजेंद्र पाल

नई दिल्ली, 27 सितंबर (वेबवार्ता)। महिला और बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने महिला और बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा के लिए मासिक बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में विभाग की सचिव मधु गर्ग, निदेशक रश्मि सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस दौरान मंत्री को एकीकृत बाल विकास सेवा के तहत राजधानी में पंजीकृत लाभार्थियों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को राशन के वितरण के बारे में जानकारी दी गई। बैठक के उपरांत गौतम ने बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा राजधानी में वार्ड स्तर की निगरानी समितियों के गठन और निगरानी कार्य से राशन वितरण में काफी विसंगतियां दूर हुई हैं। राशन वितरण व्यवस्था में गुणात्मक सुधार हुआ है। गौतम ने महिला बाल विकास विभाग के जिला अधिकारियों से लंबित पेंशन के मामलों के विषय में प्राप्त जानकारी के आधार पर विभाग को ईजिला पोर्टल के माध्यम से पेंशन आवेदन को जमा करने की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए कहा। साथ ही इसे प्राथमिकता पर लेते हुए भारत सरकार के राष्ट्रीय सूचना विज्ञान (एनआइसी) की दिल्ली इकाई और दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के साथ विचारविमर्श करके समाधान निकालने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के ईडिस्ट्रिक्ट पोर्टल के सर्वर के विस्तार को ध्यान में रखते हुए आइटी प्रणाली की क्षमता को भी अद्यतन किए जाने की आवश्यकता है।

शकूरबस्ती के रेल कोविड केयर सेंटर में 628 मरीज भर्ती, 574 मरीज ठीक

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लोगो को अतिरिक्त सेवा प्रदान करके के उद्देश्य से उत्तर रेलवे ने राज्य सरकार की मांग पर कोविड केयर सेंटर वाले 503 आईसोलेशन कोच उपलब्ध कराये हैं । ये 503 आईसोलेशन कोच दिल्ली क्षेत्र के 9 अलगअलग स्थानों नामत- आंनद विहार टर्मिनल, शकूरबस्ती, दिल्ली सराय रौहिल्ला, दिल्ली सफदरजंग, दिल्ली शाहदरा, आदर्श नगर, दिल्ली छावनी, बादली और तुगलकाबाद पर लगाए गए हैं । उत्तर एवं उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने बताया कि 8048 बिस्तरों की सुविधा वाले इन डिब्बों के रखरखाव के लिए

इन स्टेशनों पर बुनियादे सुविधाएं उपलब्ध हैं । साथ ही एम्बुलेंस के सुगम आवागमन के लिए सड़क मार्ग भी उपलब्ध है । शकूरबस्ती स्थित कोविड केयर सेंटर में अब तक कुल 628 मरीज भर्ती किए गए जिसमें से 574 मरीजों को डिस्चार्ज/शिफ्ट किया गया है जबकि 54 मरीज अभी भी उपचाराधीन/भर्ती हैं । आईसोलेशन कोच सेंटर में रोगियों को स्वास्थ्यकर तथा गुणवत्ता वाला खाना दिया जा रहा है द्यउत्तर रेलवे कोरोना से लड़ाई लड़ने के लिए हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है द्य रोगियों ने रेलवे द्वारा उपलब्ध करायी गई सुविधाओं / खानपान सेवाओं के प्रति सकारात्मक फीडबैक दिया है तथा इस पर गहरा संतोष व्यक्त किया है।

योगी सरकार की तर्ज पर केजरीवाल सरकार भी पत्रकारों को दे आर्थिक मददः आदेश गुप्ता

नई दिल्ली, 27 सितंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने उत्तर प्रदेश की योगी सराकार द्वारा राज्य में पत्रकारों के लिए 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा और संक्रमण से मौत होने पर 10 लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा को शानदार पहल करारा दिया है। यूपी में पत्रकारों को सरकार की तरफ से दी गई आर्थिक सहायता पर गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से राज्य में पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू करने की मांग की है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता के साथसाथ दिल्ली के पत्रकारों के प्रति भी केजरीवाल सरकार की जिम्मेदारियां हैं। पत्रकारों के कल्याण के लिए केजरीवाल सरकार को योगी सरकार से कुछ सीख लेनी चाहिए। गुप्ता ने रविवार को जारी बयान में कहा कि कोरोना महामारी का सबसे ज्यादा प्रकोप दिल्ली में देखने को मिला। महामारी के बावजूद दिल्ली के पत्रकारों ने जान की परवाह किए बगैर अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया और कोरोना व अन्य मुद्दों से जुड़ी हर छोटीबड़ी खबर से देश और दुनिया को वाकिफ कराया। ऐसे में केजरीवाल सरकार को राज्य स्तर पर दिल्ली के पत्रकारों के कल्याण के लिए कदम उठाना चाहिए। गुप्ता ने कहा कि हमारी केजरीवाल सरकार से यही मांग है कि जल्द से दिल्ली के पत्रकारों और उनके परिवार के लिए 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा योजना और संक्रमण से मौत होने 10 लाख रुपए की मुआवजा घोषित करें।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने शुरू किए गुरबाणी कंठ मुकाबले

विजेताओ को मिलेंगे 5100 और 2100 रुपये के विशेष पुरस्कारः सरवजीत सिंह विर्क

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितम्बरः छोटे बच्चों व किशोरों को गुरबाणी से जोड़ने के लिए दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने एक विशेष प्रतियोगिता शुरू की है। इस प्रतियोगिता के तहत विजेताओ को 5100-5100 रुपये और 2100 2100 रुपये के विशेष पुरस्कार देकर नवाजा जाएगा।

यह घोषणा दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के मेंबर सरवजीत सिंह विर्क ने की। वे रविवार को रोहिणी सेक्टर 16 में सुखमणि साहिब पाठ के समापन पर संगत को संबोधित कर रहे थे। विर्क ने बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान मनजिंदर सिंह सिरसा की सोच है कि देश और कौम दी चढ़दी कला के लिए गुरसिखी जीवनयापन अति जरूरी है। बच्चों को गुरबाणी से जोड़ कर ही यह मुकाम हासिल किया जा सकता है। स. विर्क ने बताया कि बच्चों व किशोर वर्ग को गुरबाणी से जोड़ने व उसमें उत्साह भरने के लिए गुरबाणी कंठ मुकाबला शुरू करने का फैसला लिया गया है।

उन्होने बताया कि करीब चार महीने पहले जून में यहां सुखमणि साहिब पाठ की श्रृंखला शुरु की गई थी। सन् 1984 के दंगा पीड़ित सिख

परिवारो के बच्चो को यहां विशेष रूप से प्रोत्साहित करने के लिए यह मुकाबले शुरू किए जा रहे हैं। मुकाबले के तहत सुखमणि साहिब पाठ की पहली 6 पौड़ी जुबानी (कंठस्थ) सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को 2100- 2100 रुपये, अगली 66 पौड़ी जुबानी (कंठस्थ) सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को भी 2100-2100 रुपये और श्री सुखमणि साहिब पाठ की सभी 24 पौड़ी जुबानी (कंठस्थ) सुनाने वाले सभी बच्चों व किशोरों को 5100 5100 रुपये प्रोत्साहन स्वरूप ईनाम दिया जाएगा। स. विर्क ने स्पष्ट किया कि यह सारी ईनाम राशि वे निजी कोष से देंगे।

उन्होने बताया कि दिल्ली कमेटी के प्रधान स. मनजिंदर सिंह सिरसा के नेतृत्व में कमेटी द्वारा जरूरतमंद लोगों की हर संभव सहायता की जा रही है। इसी कड़ी में आज बच्चों व किशोरो को दस्तारे वितरण की गई है। उन्होंने माताओ को आह्वान किया कि वे अपने बच्चों और परिवार मुखिया को सिखी, गुरबाणी और बाणे से जोड़ कर रखें। इसके अलावा बच्चों को गौरवमयी सिख इतिहास से भी जोड़ें, ताकि उनके भीतर देश, समाज और कौम के प्रति जज्बा पैदा हो और वे इसकी सेवा को समर्पित हो सके। समापन पर स. विर्क ने सारी संगत से आह्वान किया कि कोरोना महामारी के चलते सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों की पालना करें। मास्क का प्रयोग करते हुए सामाजिक दूरी बना कर रखें। इस दौरान आई संगत के लिए गुरु के लंगर की व्यापक व्यवस्था की गई। इस अवसर पर अवतार सिंह, बलकार सिंह, दलेर सिंह, गुरमीत सिंह, बलविंदर सिंह, मक्खन सिंह, सलविंदर सिंह, दिलबाग सिंह, गुरदेव सिंह व जसबीर सिंह मौजूद रहे।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

सरसों उत्पादन बढ़ाने के लिए ब्लेंडिंग पर प्रतिबंध लगे

नई दिल्ली। सरसों के तेल में किसी भी अन्य खाद्य तेल की मिलावट पर एक अक्टूबर से रोक लगाने के सरकार के फैसले से देश में सरसों दाने का उत्पादन बढ़ेगा और खाद्य तेलों के आयात में कमी होगी। खाद्य तेल उद्योग की दिग्गज हस्तियों से यह बात कही। फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल बेचने वाली अडाणी विल्मर और धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेलों का विपणन करने वाली मदर डेयरी ने इस फैसले की तारीफ करते हुए कहा कि इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को फायदा होगा। अडाणी विल्मार के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी अंगशु मल्लिक ने कहा, ''यह एक अच्छा फैसला है। उपभोक्ताओं को अब शुद्ध सरसों का तेल मिलेगा। सरसों के तेल में चावल की भूसी, सोयाबीन और पाम ऑयल के तेल की मिलावट की जा रही है।'' उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद अब पांच लाख टन अतिरिक्त सरसों के तेल की जरूरत होगी, जिसे मिलाया जा रहा था।मल्लिक ने कहा, ''पांच लाख टन सरसों के तेल का उत्पादन करने के लिए हमें 1215 लाख टन अतिरिक्त सरसों की जरूरत होगी।'' उन्होंने कहा कि इस फैसले से राजस्थान और अन्य राज्यों में सरसों का रकबा बढ़ेगा और किसानों की आय में इजाफा होगा।

कोरोना में भारतीय छात्र ने हासिल किए 20 इंटरनेशनल रिसर्च ऑफर

नई दिल्ली। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया कोरोना जैसी महामारी से जूझ रही है तब टीआईईटी, पटियाला में तृतीय वर्ष के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्र अभिषेक अग्रहरी ने इंग्लैंड और अमेरिका समेत शोध से जुड़ी कई इंटर्नशिप हासिल की है। उन्हें आईआईटी जैसे भारत के उच्च तकनीकी शिक्षा संस्थानों से भी जुड़ने का मौका मिला है। 20 वर्षीय अभिषेक के पास अभी 20 से अधिक रिसर्च इंटर्नशिप ऑफर है। लॉकडाउन और कोरोना संकटकाल के बीच भी अपनी रिसर्च में जुटे रहे अभिषेक अग्रहरी को यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड (इंग्लैंड,) पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी (अमेरिका), इलिनॉयस विश्वविद्यालय (अमेरिका), टेक्नीसीक यूनिवर्सिट म्यूनिख (जर्मनी), तेल अवीव विश्वविद्यालय, बीजिंग कम्प्यूटेशनल साइंसेज रिसर्च सेंटर (चीन), शंघाई जिया टोंग विश्वविद्यालय (चीन), ग्यांगसांग राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (दक्षिण कोरिया), एडिलेड विश्वविद्यालय, पेट्रोलियम का ऑस्ट्रेलियाई स्कूल, यूनिवर्सिडैड पोलिटेकिनिका डी मैड्रिड (स्पेन), हेरियटवॉट यूनीवेरिस्टी (एडिनबर्ग), लिथुआनियाई ऊर्जा संस्थान, और एक्क्टेइंस्टीट्यूटो यूनिवर्सिटारियो डे लिस्बोआ (लिस्बन) से रिसर्च इंटर्नशिप के ऑफर हैं। अभिषेक ने गैस टरबाइन इंजन पर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के साथ काम किया है। आईआईटी बॉम्बे में फ्लूड स्ट्रक्र र इंटरेक्शन पर और आईआईटी कानपुर में तरल पदार्थ की गतिशीलता पर भी काम किया है।

डेंगू के मच्छरों को पनपने से रोकें परिवार और दिल्ली को बचाएं

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डेंगू के खिलाफ दिल्ली सरकार के की तरफ से '10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट' के चलाए जा रहे महा अभियान के चौथे सप्ताह रविवार को सुबह 10 बजे, 10 मिनट के लिए अपने घर और आसपास के विभिन्न स्थानों पर जमा साफ पानी का निरीक्षण किया और उस पानी को बदल दिए।

डेंगू के खिलाफ चल रहे अभियान के चौथे सप्ताह सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के आरडब्ल्यूए से अपील की है कि वे आगे आएं और अपने क्षेत्र के निवासियों को डेंगू से बचाव के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में उन्हें जागरूक करें। उन्होंने आरडब्ल्यूए से अपील की कि वे अपनीअपनी कॉलोनी में रहने वाले लोगों से बात करें और सभी को डेंगू की रोकथाम को लेकर सहयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए उनकी भागीदारी को बढ़ाएं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मैं सभी आरडब्ल्यूए से अपील करता हूं कि वे अपनी सोसायटी के लोगों से भी बात करें और उन्हें इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करें, हमें मिलकर डेंगू को हराना होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, 'डेंगू के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ाते हुए आज चौथे रविवार को 10 मिनट निकाल कर मैने फिर से घर पर इकट्ठा साफ पानी को बदला, इस तरह से हमें डेंगू के मच्छर पैदा होने से रोकना है और अपने परिवार को एवं पूरी दिल्ली को डेंगू से बचाना है। 10 हफ्ते, 10 बजे, 10 मिनट, हर रविवार, डेंगू पर वार। सीएम अरविंद केजरीवाल ने पिछले साल भी डेंगू को रोकने के लिए आरडब्ल्यूए का सहयोग मांगा था। उन्होंने आरडब्ल्यूए के लिए 5 सूत्री कार्य योजना की शुरुआत की थी, ताकि उनके क्षेत्र में डेंगू के मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय किए जा सकें। एक बार फिर अपनी अपील को दोहराते हुए सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डेंगू से बचाव के लिए सभी क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों और आरडब्ल्यूए के वरिष्ठ सदस्यों आदि समेत सभी संगठनों की भागीदारी जरूरी है।

प्रेस काउंसिल सदस्य आनंद राणा संगठन सचिव, दीपक राय, शीतल करदेकर और सीमा मोहन सचिव नियुक्त

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 27 सितंबर, । झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष और राष्ट्रीय खबर के मुख्य संपादक रजत कुमार गुप्ता तथा वीर अर्जुन की फीचर संपादक सीमा किरण को नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है।

प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया में एनयूजे के सदस्य और दिल्ली जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के पूर्व महासचिव आनंद राणा को संगठन सचिव मनोनीत किया गया है।

महाराष्ट्र की शीतल करदेकर, पश्चिम बंगाल के दीपक राय और हिमाचल प्रदेश की सीमा मोहन को सचिव नियुक्त किया गया है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स से संबद्ध एनयूजेआई के महासचिव प्रसन्ना मोहंती ने बताया कि 11 सितंबर को राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी की अध्यक्षता हुए राष्ट्रीय अधिवेशन में संगठन के संविधान संशोधन की सर्वसम्मति से पारित किया गया। ऑनलाइन अधिवेशन में देशभर में लगभग दो हजार सदस्यों ने हिस्सा लिया।

अधिवेशन में पत्रकारों के हित और कल्याण से जुड़े कई प्रस्ताव पारित किए गए। एनयूजे अध्यक्ष रास बिहारी ने कहा कि देशभर में संगठन का तेजी से विस्तार किया जा रहा है।

अब देश के ज्यादातर राज्यों में एनयूजे से संबद्ध इकाइयां काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमित होकर जान गंवाने वाले पत्रकारों के परिवारों को मुआवजा दिलाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

सरकार लद्दाख के लोगों के हितों की रक्षा करेगी: शाह

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर। सरकार ने कहा है कि वह लद्दाख के लोगों की हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और वहां के लोगों के साथ सलाह मशिवरे के आधार पर ही निर्णय लिये जायेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज उनसे मिलने आये लेह और लद्दाख के एक प्रतिनिधिमंडल को यह आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में लद्दाख के प्रमुख नेता तथा पूर्व सांसद थिकसे रिनपोछे, थुप्स्तन छेवांग और जम्मू कश्मीर में मंत्री रह चुके छेरिंग दोरजे लकरूक शामिल थे। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी तथा युवा मामले और खेल राज्य मंत्री किरेन रिजिजू भी इस मौके पर उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल को सरकार की ओर से आश्वासन दिया गया कि भाषा, जनसांख्यिकी, जातीयता, भूमि और नौकरियों से संबंधित सभी मुद्दों पर सकारात्मक रूप से ध्यान दिया जाएगा। यह भी कहा गया कि 'छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा के लिए पीपुल्स

मूवमेंट' के तत्वावधान में लेह और करगिल जिलों के प्रतिनिधियों के एक बड़े लद्दाखी प्रतिनिधिमंडल और गृह मंत्रालय के बीच संवाद लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषद, लेह चुनावों के समापन के 15 दिनों के बाद शुरू होगा। इस संबंध में कोई भी निर्णय लेह और करगिल के प्रतिनिधियों के परामर्श से ही लिया जायेगा। शाह ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार लेह और करगिल के एलएएचडीसी को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लोगों के हितों की रक्षा की जायेगी। साथ ही इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सभी विकल्प तलाशे जायेंगे। सरकार लद्दाख के लोगों से संबंधित मुद्दों को देखते हुए देश के संविधान की छठी अनुसूची के तहत उपलब्ध संरक्षण पर चर्चा करने के लिए तैयार है। प्रतिनिधिमंडल ने आगामी लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय विकास परिषदएलएएचडीसी, लेह चुनावों के बहिष्कार के आह्वान को वापस लेने पर सहमति व्यक्त की और इन चुनावों के सुचारू संचालन के लिए इसे पूर्ण समर्थन देने का वायदा किया।

कस्टमर केयर की जगह मिला ठग का नबर

नई दिल्ली। यदि आप भी किसी कंपनी का कस्टमर केयर नंबर लेने के लिए गूगल की मदद लेते हैं तो जरा सावधान हो जाएं। कहीं ऐसा न हो कि कस्टमर केयर नंबर की जगह आप किसी शातिर ठग के जाल में फंस जाएं। मधु विहार इलाके में एक शख्स के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। पीड़ित सतनजीव झा ने एयर टिकट वापस करने के लिए गूगल की मदद से निजी कंपनी का नंबर लिया। इसके बाद वह ठगों के जाल में फंस गया। आरोपियों ने उसके खाते की जानकारी जुटा ली। बाद में एक ऐप के जरिये पीड़ित का मोबाइल हैक कर लिया। उसके खाते से एक लाख रुपये उड़ा लिये गए। सतनजीव ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने छानबीन के बाद ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक सतनजीव झा परिवार के साथ आईपी एक्सटेंशन में रहते हैं। कुछ समय पूर्व इन्होंने क्लीयर ट्रीप डॉट कॉम नामक कंपनी से एक हवाई जहाज का टिकट बुक कराया था।

कैट ने सरकार से ई कॉमर्स पालिसी को जल्द लागू करने का आग्रह किया

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 27 सितम्बर देश के व्यपारीरों के शीर्ष संगठन और भारत के घरेलू व्यापार के जबरदस्त पैरोकार कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से ई कॉमर्स नीति को अविलम्ब लागू करने का आग्रह किया है !

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल पर वोकल और आत्मनिर्भर भारत के आव्हान को ई कॉमर्स व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कैट ने कहा की भारतीय ईकॉमर्स बाजार को बड़ी ईकॉमर्स कंपनियों ने अपनी गलत व्यापारिक प्रथाओं के द्वारा बेहद विषाक्त कर दिया है और दूसरी ओर देश के उपभोक्ता तेजी से ई कॉमर्स के जरिये सामान खरीद रहे हैं, इन परिस्थितियों में एक मजबूत और बेहतर रूप से परिभाषित ई कॉमर्स पॉलिसी भारत के लिए बेहद जरूरी है ताकि भारत के छोटे व्यवसायों को बड़ी ईकॉमर्स कंपनियों के कुचक्रों और षड्यंत्रों का शिकार न होना पड़े !

ईकॉमर्स के तेजी से बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कैट अक्टूबर में अपने ईकॉमर्स पोर्टल भारतईमार्किट को

कैट का ई कॉमर्स पोर्टल भारत ई मार्किट अक्टूबर में होगा लांच

लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ईकॉमर्स नीति के साथ कैट ने ई कॉमर्स व्यवसाय के सुचारू संचालन एवं देख रेख के लिए एक ई कॉमर्स रेगुलेटरी अथॉरिटी के गठन का भी आग्रह किया है जिसे ईकॉमर्स नीति का उल्लंघन करने वाली कंपनियों को दंडित करने का पर्याप्त अधिकार हो ! कैट ने यह भी कहा है कि ईकॉमर्स के लिए एफडीआई नीति में कोई छूट की आवश्यकता नहीं है, बल्कि ईकॉमर्स के लिए एफडीआई मानदंडों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। कैट ने पूर्व में विभिन्न मंचों पर भारत की एफडीआई पालिसी में ई कॉमर्स पर कोई समझौता न करने में सरकार की नीति को जोरदार तरीके से रेखांकित करने के लिए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की प्रशंसा करते हुए कहा की देश के व्यापारियों को इससे उम्मीद बंधी हैं की ई कॉमर्स पालिसी एक समान स्तर की प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाएगी ! कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने ईकॉमर्स को भविष्य का आशाजनक व्यवसाय बताते हुए कहा कि कोरोना लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन व्यापार में बड़ी वृद्धि हुई है और इसीलिए परिभाषित मापदंडों और दिशानिर्देशों के साथ ई कॉमर्स नीति का होना आवश्यक है को यह तय करेगी की देश में ई कॉमर्स व्यापार कैसे चलेगा !

घोंडा में कांग्रेस छोड़ आप पार्टी में शामिल हुए कई नेता

नई दिल्ली, 27 सितंबर (वेबवार्ता)। विधान चुनाव में हार के बावजूद घोंडा विधानसभा क्षेत्र में आम आदमी पार्टी का विस्तार होता जा रहा है। अब पार्टी के रणनीतिकार अपने कुनबे को बढ़ाने का कोई भी अवसर नहीं चूकते। इस क्षेत्र से कांग्रेस की ओर से निगम पार्षद रही रेखा रानी जो पिछला निगम चुनाव चंद वोटों से हार गई थी विधानसभा चुनावों से पूर्व ही आम आदमी पार्टी के पाले में आ गई थी। लेकिन एंटी कम्बेसी के चलते विधायक श्रीदत्त शर्मा विधानसभा चुनाव हार गये थे। चुनाव हारने के बाद पार्टी नें उन्हें स्वयं अपनी हार की समीक्षा के लिए बोला। और उन्हें घोंडा विधानसभा का ही पार्टी अध्यक्ष बना दिया। नई जिम्मेदारी मिलने से अब वे घोंडा में पार्टी की जड़ें मजबूत करने में जुट गये हैं। और विधानसभा चुनाव के बाद वे आप पार्टी में काफी लोगो को जोड़ चुके हैं। इस काम में पूर्व पार्षद रेखा रानी भी उनका साथ दे रही है। रेखा रानी कांग्रेस के कई प्रभावशाली लोगो को पार्टी के साथ जोड़ चुकी है। उसी कड़ी के तहत आम आदमी पार्टी की मीटिंग मे कई कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। श्रीदत्त शर्मा और रेखा रानी ने आम आदमी पार्टी के जिला कोऑर्डिनेटर पंकज राय और जिला प्रभारी रावल, संगठन मंत्री रविंद्र चैधरी, वार्ड अध्यक्ष ठाकुर प्रेमपाल, बिजेन्द प्रधान और अन्य पदाधिकारियो व कार्यकर्ताओ की उपस्थिति मे भजनपुरा वार्ड के मजबूत कांग्रेसी कार्यकर्ताओ सुभाष पाठक प्रवीन भाई को उनके समर्थकों सहित आम आदमी पार्टी की टोपी व पटका पहनाकर पार्टी मे शामिल किया गया। इस अवसर पर श्रीदत्त शर्मा और रेखा रानी नें कहा इन लोगो के पार्टी में शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिलेगी।

अशोक सिंहल श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आन्दोलन के प्राण थे: विहिप

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) मुख्यालय में अशोक सिंहल की जयन्ती के अवसर पर आज श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस मौके पर विहिप के केन्द्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा है कि वे श्री राम जन्मभूमि मुक्ति आन्दोलन के प्राण थे। उन्होंने सम्पूर्ण हिन्दू समाज को झकझोर कर जगाया, संगठित किया तथा एक मजबूत संघर्ष का नेतृत्व किया. वे संतों में भी आदरणीय थे। श्री राम जन्मभूमि पर जो मंदिर एक राष्ट्र मंदिर के रूप में बन रहा है उसकी नींव की ईट के रूप में उन्हें सदैव स्मरण किया जाएगा।

विहिप उपाध्यक्ष तथा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रष्ट के महासचिव चम्पत राय ने कहा कि यूं तो अशोक सिंघल रज्जू भैया के सम्पर्क द्वारा 1942 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवक बनते ही समाज जीवन में उतर चुके थे किन्तु उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ 1981 के वोट क्लब दिल्ली की 'विराट हिन्दू समाज' नामक विशाल आयोजन के बाद आया। 1982 में संयुक्त महामंत्री के रूप में विहिप में पदार्पण के साथ ही उन्होंने देश भर में एकात्मता यात्राओं के माध्यम से हिन्दू समाज का जागरण प्रारम्भ किया। तत्पश्चात श्री राम जन्मभूमि आन्दोलन के विविध चरणों, रामसेतु रक्षा, गौ, गंगा, मठ मन्दिर, धर्म ग्रन्थ तथा संतों के सम्मान के लिए अनवरत संघर्ष किया. अपने वैचारिक विरोधियों से भी उनके मधुर सम्बन्ध थे. वे दृढ निश्चयी तथा प्रखर व्यक्तित्व के धनी थे। दक्षिणी दिल्ली स्थित विहिप मुख्यालय में रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में विहिप की केन्द्रीय प्रबंध समिति के सदस्य दिनेश चन्द्र, केन्द्रीय संयुक्त महामंत्री स्वामी विज्ञानानंद व कोटेश्वर शर्मा, केन्द्रीय मंत्री प्रशांत हरतालकर, खेमचंद शर्मा तथा जुगल किशोर सहित अनेक गणमान्य लोगों ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

किसान अपने ही खेत में मजदूर बन जायगा: आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली, 27 सितंबर (वेबवार्ता)। वर्तमान कृषि बिल किसानों के साथ साथ भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरनाक है,इस अहितकारी बिल से जहाँ किसान अपने ही खेत में मजदूर बनकर रह जाऐगें वहीँ पारंपरिक खेती कांट्रैक्ट का रूप लेकर भारतीय अर्थव्यवस्था का बडा हिस्सा कुछ चुनिंदा कार्पोरेट घरानों के पास पँहुच जाऐगा, देशी फसलों की विविधता,आत्मनिर्भरता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का भी ह्रास होगा, यह बिल किसानों के लिए अहितकारी तथा सिर्फ चंद कार्पोरेट घरानों के लाभ पंहुचाने के लिए तैयार किया गया है। यह कहना है उत्तर पूर्वी दिल्ली के बुराड़ी विधान सभा से कांग्रेस नेता आदेश भारद्वाज का। आदेश स्वयं किसान परिवार से है और दिल्ली सरकार की मंडी समिति में भी कई साल तक रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस बिल के खतरनाक हिस्सों को तुरंत वापस लेने की चेतावनी देते हुए किसान विरोधी बिल वापस लेने की मांग करते हुए कहा अनाज मंडी को खत्म करने से कृषि उपज खरीद व्यवस्था पूरी तरह से नष्ट हो जाएगी। ऐसे में किसानों को ना तो न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलेगा और ना ही बाजार भाव। इसका जीता जागता उधारण भाजपा शासित बिहार है। सबसे बड़ा नुकसान किसान को होगा। और लाभ पूंजीपतियों को। आदेश कहते हैं मोदी सरकार का दावा है अब किसान अपनी फसल देश में कहीं भी बेच सकता है पूरी तरह से सफे झूठ है। वे कहते हैं जब मंडिया ही नहीं रहेगी उनमें काम करने वाले लाखों मजदूर आढती मुनीम और ना जाने कौनकौन बेरोजगार हो जाएगें। उन्होंने सवाल किया सरकार उनके लिए क्या योजना बना रही है। आदेश कहते हैं किसान को ठेका प्रथा में फसां कर उसे अपनी ही जमीन पर मजदूर बना दिया जाएगा।

आईटी की मदद से दिल्ली में सुलझाए जाएंगे पेंशन के लंबित मुद्दे

नई दिल्ली, 27 सितंबर (वेबवार्ता)। दिल्ली में आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं निस्सहाय लोगों को दी जाने वाली पेंशन के लंबित मुद्दे जल्द ही हल किए जाएंगे। दिल्ली सरकार ने पेंशन के सभी लाभार्थियों को यह लाभ देने का निर्देश जारी किया है।

दिल्ली के महिला और बाल विकास विभाग की सभी योजनाओं के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए रविवार को एक मासिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में दिल्ली महिला और बाल विकास मंत्री को एकीकृत बाल विकास सेवा (आइसीडीएस) के तहत राजधानी में पंजीकृत लाभार्थियों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों, को राशन के वितरण के बारे में जानकारी दी गई।

इस बैठक के उपरांत दिल्ली के महिला और बाल विकास मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा, दिल्ली सरकार के राजधानी में वार्ड स्तर की निगरानी समितियों के गठन और निगरानी के कार्य से राशन वितरण में प्रभावी ढंग से विसंगतियां दूर हुई है, जिसके परिणामस्वरूप राशन वितरण व्यवस्था में गुणात्मक सुधार हुआ है। गौतम ने इस बैठक में महिला बाल विकास विभाग के जिला अधिकारियों को लंबित पेंशन के मामलों में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विभाग को ई जिला पोर्टल के माध्यम से पेंशन आवेदन को जमा करने की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए कहा गया है। इस मामले में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान (एनआइसी) की दिल्ली इकाई और दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के साथ विचारविमर्श करके समाधान निकालने का निर्देश दिया गया है।

दिल्ली सरकार के ईडिस्ट्रिक्ट पोर्टल के सर्वर के विस्तार को ध्यान में रखते हुए आईटी प्रणाली की क्षमता को भी अद्यतन किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, कोविड महामारी के समय में, महिला बाल विकास विभाग को लंबित पेंशन मामलों के समाधान को सर्वाधिक प्राथमिकता देनी चाहिए। दिल्ली महिला और बाल विकास मंत्री ने विभाग से संबंधित नागरिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए सभी जिला अधिकारियों को कार्यालय में उपलब्ध रहने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला अधिकारियों की नियमित उपलब्धता से ही नागरिक शिकायतों के निवारण की व्यवस्था सुचारू और बेहतर बनेगी।

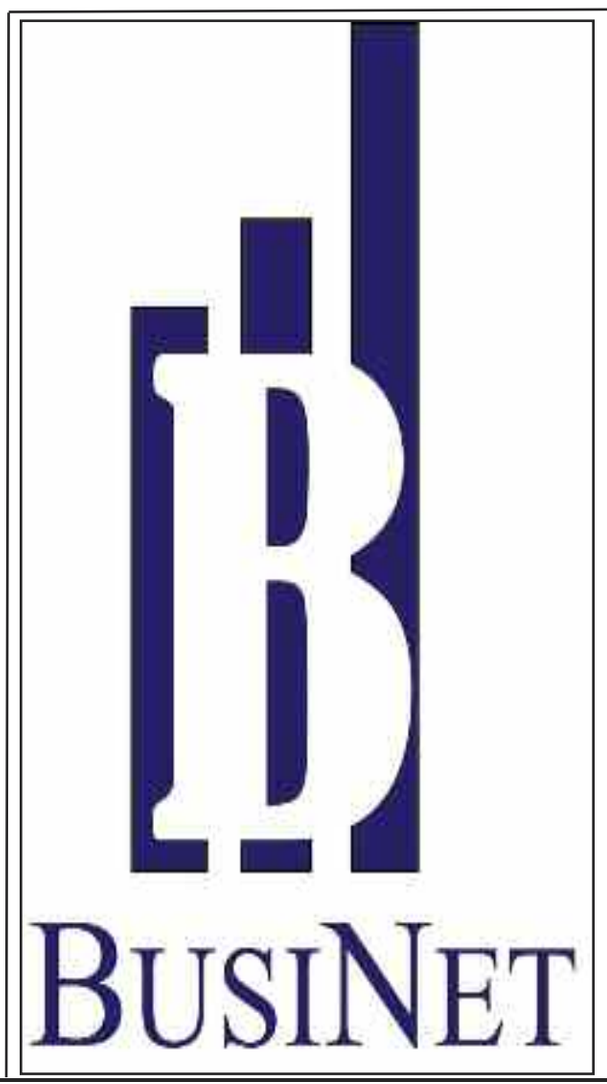

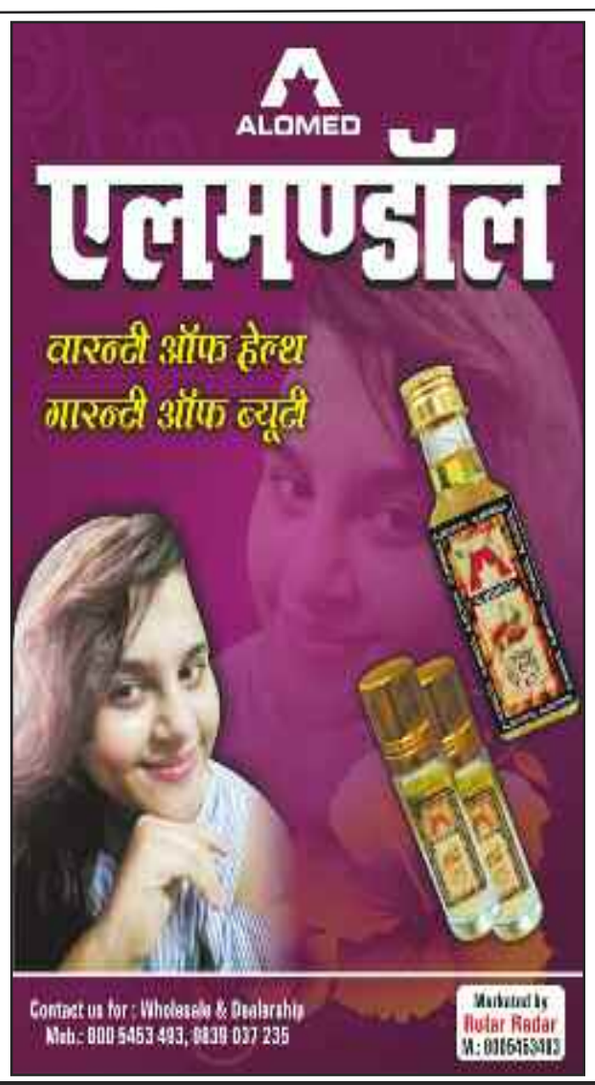

संपादकीय

कोरोना के इलाज में उम्मीद की किरण के रूप में उभरी है स्टेम सेल थैरेपी

कोरोना संक्रमण के इलाज के लिए दुनियाभर के देश वैक्सीन बनाने में जुटे हैं। भारत भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है लेकिन सम्पूर्ण ट्रायल प्रक्रिया पूरी होने तथा वैक्सीन मरीजों के इलाज के लिए उपलब्ध होने में अभी समय लगेगा। कई देशों में कोरोना के इलाज के लिए कुछ संभावित दवाओं या उपचार पद्धतियों के क्लीनिकल ट्रायल हो रहे हैं और कुछ में शुरूआती सफलता भी मिलती दिख रही है। कुछ देशों में 'स्टेम सेल थैरेपी' से भी कोरोना मरीजों का इलाज करने के प्रयास चल रहे हैं। यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में तो इसी उपचार पद्धति से 73 कोरोना वायरस संक्रमितों को ठीक करने की सुखद खबर भी सामने आई थी। वहां के विदेश मंत्रालय के स्ट्रैटेजिक कम्युनिकेशंस विभाग की निदेशक हेंड अल कतीबा के अनुसार 'अबू धाबी स्टेम सेल सेंटर' (एडीएससीसी) ने 'स्टेम सेल थैरेपी' के जरिये कोरोना के सभी 73 कोरोना मरीजों को ठीक करने में सफलता प्राप्त की।

अल कतीबा के मुताबिक इस रिसर्च सेंटर ने 'स्टेम सेल थैरेपी' से कोरोना इलाज की एक नई तकनीक 'गेमचेंजर' विकसित की है, जिससे कोरोना संक्रमण को मात दी जा सकती है। इस नए इलाज में मरीज के रक्त से स्टेम सेल्स को निकाल कर उन्हें फिर से सक्रिय करके रोगी के फेफड़ों में डाला जाता है। इससे फेफड़ों की कोशिकाओं को पुनर्जीवित किया जाता है, जिससे फेफड़ों की क्षमता पुनः बढ़ जाती है। यूएई की विदेश मंत्री हिंद अल ओतैबा के मुताबिक कोरोना महामारी से लड़ने में यह एक अभूतपूर्व कदम साबित हो सकता है। यूएई में जिन 73 मरीजों को यह उपचार दिया गया, उनमें से किसी भी मरीज ने तुरंत किसी साइड इफैक्ट्स की शिकायत नहीं की। कुछ भारतीय शोधकर्ता भी 'स्टेम सेल थैरेपी' से कोरोना मरीजों के उपचार को लेकर उत्साहित दिख रहे हैं। कई भारतीय डॉक्टरों का मानना है कि शरीर में पाई जाने वाली मिजेंकाइमल स्टेम सेल्स कोरोना संक्रमित रोगी के क्षतिग्रस्त अंगों को पुनः स्वस्थ कर सकती हैं क्योंकि स्टेम सेल्स का कार्य क्षतिग्रस्त टिश्यू की मरम्मत करना और नया टिश्यू बनाना है। भारतीय स्टेम सेल विशेषज्ञों के मुताबिक स्टेम सेल्स को रोगी या किसी स्वस्थ व्यक्ति से लेकर लैब में कल्चर कर एक निश्चित मात्रा में कोरोना संक्रमित व्यक्ति के शरीर में डाला जाए तो मरीज ठीक हो सकता है। ग्रेटर नोएडा के डॉ. मधन जया रमन तथा डॉ. रश्मि जैन सहित देशभर के कुल 8 डॉक्टरों के समूह 'भारतीय स्टेम सेल स्टडी ग्रुप' ने 'स्टेम सेल थैरेपी' पर शोध करने के बाद दावा किया है कि कोरोना के मरीज स्वयं के स्टेम सेल से ठीक हो सकेंगे। इनका कहना है कि प्लासेंटा, अंबीलिकल कॉर्ड तथा बोन मैरो से निकलने वाले स्टेम सेल से कोरोना मरीज का उपचार किया जा सकता है। स्टेम सेल तीन प्रकार के होते हैं, भ्रूण स्टेम सेल (एंब्रियोनिक स्टेम सेल्स), व्यस्क स्टेम सेल (एडल्ट स्टेम सेल) तथा कॉर्ड स्टेम सेल।

डॉ. मधन का कहना है कि चीन तथा इजराइल में हुए शोधों से पता चला है कि प्लासेंटा (गर्भ में बच्चा जिस झिल्ली में रहता है) तथा अंबीलिकल कॉर्ड (गर्भनाल) से स्टेम सेल निकाल कर कोरोना के मरीजों का उपचार किया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि कोरोना संक्रमित मरीज की स्टेम सेल में कोरोना वायरस असर नहीं करता। इसीलिए स्टेम सेल्स ऐसे मरीज के रक्त में पहुंच कर बड़ी तेजी से अपनी तरह की कोशिकाओं को निर्मित कर मरीजों को ठीक कर सकते हैं।

चीन में भी कुछ वैज्ञानिक कोरोना संक्रमित मरीजों के शरीर में मिजेंकाइमल स्टेम सेल्स डाल कर अध्ययन कर चुके हैं। उस दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि कोरोना संक्रमण के कारण जिन मरीजों को निमोनिया हुआ था, वे स्टेम सेल थैरेपी से उपचार के बाद स्वस्थ होने लगे। चीन के वुहान में स्टेम सेल थैरेपी विशेषज्ञ डॉ. डॉन्गचेंग वू ने भी स्टेम सेल ट्रीटमेंट से कोरोना वायरस के सफल इलाज का दावा किया है।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

कृषक आंदोलनः सरकार की विश्वसनीयता पर संदेह ?

अपने 22 वर्षों पुराने तथा एन डी ए के संस्थापक सहयोगी रहे अकाली दल के विरोध बावजूद केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा आनन फ़ानन में संसद के दोनों सदनों में देश के किसानों से संबंधित तीन कृषक अध्यादेश विवादित तरीक़े से पारित करा दिए गए। नतीजतन अकाली दाल ने न केवल अपने कोटे की खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल को मोदी मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिलवाया बल्कि एन डी ए से समर्थन वापस लेने की घोषणा भी कर डाली। परन्तु सरकार यही कहे जा रही है कि नए कृषि क़ानून किसानों के जीवन में खुशहाली के नए रास्ते खोलेंगे। सरकार अध्यादेश रुपी इस क़ानून को किसानों के हित में उठाया गया एक ऐतिहासिक क़दम बता रही है। परन्तु देश का किसान इन नए कृषि क़ानूनों को न केवल किसान विरोधी बता रहा है बल्कि इसे किसानों के लिए मौत का फ़रमान की संज्ञा भी दे रहा है। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति से यह अनुरोध भी किया है कि वे इस दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। इसी क़ानून के विरोध में गत 25 सितंबर को देश के कई बड़े राज्यों में किसानों ने व्यापक आंदोलन किये। रेल व सड़कें जाम की गईं। बाज़ार बंद कराए गए। देश के सौ से अधिक श्रमिक संगठनों के आवाह्न पर अन्नदाता सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए। जब से नये कृषि विधेयक की चर्चा छिड़ी थी उसी समय से किसानों द्वारा इसका विरोध देश के अनेक भागों में शुरू कर दिया गया था। किसानों के तेवरों को देखकर यह अंदाज़ा भी लगाया जा सकता है कि किसान आंदोलन की यह आग शायद अभी थमने वाली भी नहीं है ।

केंद्र सरकार ने किसानों के विरोध के प्रत्युत्तर में किसानों की समस्याओं व उनकी शिकायतों का वाजिब हल निकालने का आश्वासन देने के बजाए यह कहना शुरू किया कि विपक्षी पार्टियाँ किसानों को गुमराह कर रही हैं। किसान उनके द्वारा कृषक क़ानून के संबंध में फैलाये जा रहे झूठ व भ्रांतियों के बहकावे में आकर इस क़ानून का विरोध कर रहे हैं। सरकार ने लगभग पूरे देश के समाचार पत्रों में इसी आशय का संपूर्ण पृष्ठ का एक विज्ञापन भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्र के साथ प्रकाशित कराया जिसमें किसानों व विपक्षी दलों की शंकाओं को 6 बिंदुओं में झूठ शीर्षक के साथ काली पृष्ठभूमि में प्रकाशित किया गया तथा ठीक इसका सामने के भाग में सच शीर्षक से इनका सकारात्मक पक्ष या यूँ कहें कि सरकारी पक्ष रखा गया है। इस पूरे पृष्ठ के विज्ञापन का मुख्य शीर्षक है किसानों, झूठ से सावधान कृषि विधेयक ने किया है तरक़्क़ी का प्रावधान। स्वतंत्र किसानसशक्त किसान नारे के साथ जारी इस विज्ञापन के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक कथन भी प्रकाशित है जिसमें मोदी जी फ़रमाते हैं कि 21 वीं सदी में भारत का किसान बंधनों में नहीं,खुलकर खेती करेगा।21 वीं सदी का किसान जहाँ मन किया वहाँ

फ़सल बेचेगा और जहाँ ज़्यादा पैसे मिले वहीँ पर फ़सल बेचेगा÷।

उपरोक्त विज्ञापन सामग्री भारत सरकार के अर्थात जनता के करों के सैकड़ों करोड़ ख़र्च कर 23 सितंबर के समाचार पत्रों में तब प्रकाशित करवाई गयी जबकि देश की अधिकांश किसान यूनियन्स सरकार के इस नए कृषक क़ानून को किसान विरोधी काला क़ानून बताते हुए इसे वापस लिए जाने की मांग को लेकर 25 सितंबर को भारत बंद का आह्वान कर चुकी थीं। सरकार ने केवल विज्ञापन ही प्रकाशित /प्रसारित नहीं कराए बल्कि अनेक प्रमुख केंद्रीय मंत्रियों,कई भाजपा शासित राज्यों के मुख्य मंत्रियों व अपनी विचारधारा के सैकड़ों स्तंभकारों व लेखकों से इस विधेयक के पक्ष में तथा आंदोलनकारियों व उनके समर्थकों के विरोध में स्तम्भ व आलेख भी प्रकाशित करवाए। स्वयं प्रधानमंत्री ने इस क़ानून के पक्ष में मोर्चा संभाला और कई जगह इस विधेयक का पक्ष रखते सुने गए। ज़ाहिर है यह सारी की सारी क़वायद सिर्फ़ इसीलिये थी ताकि या तो किसान अपना आंदोलन वापस ले लें या यह आंदोलन कमज़ोर पड़ जाए अथवा देश की किसान शक्ति विभाजित हो जाए। 21 सितंबर को सरकार की ओर से ऐसा ही एक प्रयास यह भी किया गया कि सरकार ने रबी की छह फ़सलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने की घोषणा भी कर दी। जबकि रबी फ़सलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा आम तौर पर सितंबर के बाद ही होती रही है। परन्तु किसानों के 25 सितंबर के भारत बंद व देश के विभिन्न भागों में हो रहे किसान आन्दोलनों को शांत करने के मक़सद से सरकार ने संसद सत्र के दौरान ही इसकी भी घोषणा कर दी। अब किसानों के आंदोलन के बावजूद सरकार ने अपना दूसरा अभियान चलाने का फ़ैसला किया है जिसके तहत आगामी 15 दिनों तक भाजपा कार्यकर्ता किसानों से व्यक्तिगत जनसंपर्क कर उन्हें नए क़ानून के सकारात्मक पहलुओं का ज्ञान देंगे तथा उनकी शिकायतों को भी सुनेंगे। उपरोक्त पूरे प्रकरण में क़ाबिल एग़ौर बात यह है कि जिस प्रकार सरकार विज्ञापन व आलेखों आदि के माध्यम से किसानों को समझाने पर इतनी ऊर्जा ख़र्च कर रही थी,देश के किसानों को नासमझ व दूसरे राजनैतिक दलों के बहकावे में आया हुआ बता रही थी इस क़वायद के बजाए वह अपनी ही सरकार के प्रमुख सहयोगी अकाली दल व उनकी खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल को यह बात क्यों नहीं समझा सकी कि यह क़ानून किसानों की तक़दीर बदलने वाला है ? बादल परिवार केवल राजनैतिक परिवार ही नहीं बल्कि इस परिवार की गिनती पंजाब के चंद गिने चुने बड़े व संपन्न किसानों में भी होती है। आम ग़रीब किसानों की तरह यह परिवार कम पढ़ा लिखा या अनपढ़ परिवार नहीं जिसे कोई राजनैतिक दल या नेता झूठ बोलकर गुमराह कर दे ? यदि इस परिवार को ही इस किसान हितकारी क़ानून के फ़ायदे बताने का ज़िम्मा दिया गया होता तो शायद पंजाब हरियाणा में आंदोलन की तीव्रता इस क़द्र न होती जो 25 सितंबर को देखने को मिली ? खाद्य प्रसंस्करण मंत्री हरसिमरत कौर बादल का मोदी मंत्रिमंडल से त्यागपत्र देना,अकाली दल का एन डी ए से नाता तोड़ना और किसानों के साथ उनका खड़ा होना ही इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि यह क़ानून किसानों के हित में कम अहित में ज़्यादा नज़र आ रहा है। अच्छा होता कि किसानों को विज्ञापनों के माध्यम से संबोधित करने व विपक्षी दलों पर इस आंदोलन की भड़ास निकालने के बजाए अपने ही सहयोगी दलों व मंत्रियों तथा देश किसान संगठनों को विश्वास में लिया जाता।

ऐसा प्रतीत होता है कि देश को मोदी सरकार की विश्वसनीयता के प्रति संदेह बढ़ता जा रहा है। नोट बंदी,जी एस टी,लॉक डाउन की घोर असफलता,अनियंत्रित मंहगाई,बढ़ती बेरोज़गारी,युवाओं व किसानों में पनपता असुरक्षा का वातावरण,क़ानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति,चौपट हो चुके उद्योग धंधे,तेल से लेकर खाद्यान्न तक में आग लगाती मंहगाई, सीमाओं पर बिगड़ते माहौल जैसी अनेक बातों ने निश्चित रूप से सरकार के वादों,नीतियों व कथनों के प्रति विश्वास कम और सरकार की विश्वसनीयता पर संदेह अधिक खड़ा कर दिया है।

तनवीर जाफ़री
www.womenexpress.in

मोदी सरकार का नया संकट, कोरोना काल में बढ़ी बेरोजगारी

अजब इतिफाक है। एक तरफ केन्द्र की मोदी सरकार निजीकरण की ओर बढ़ रही है तो दूसरी ओर उस पर इस बात का दबाव है कि वह युवाओं के लिए अधिक से अधिक सरकारी नौकरियों की व्यवस्था करे। देश का यह दुर्भाग्य है कि यहां का करीब 75 प्रतिशत पढ़ालिखा युवा अपने पैरों पर खड़े होने का मतलब येनकेन प्रकारेण सरकारी नौकरी हासिल कर लेना ही समझता है।

आश्चर्य होता है कि समाज का बड़ा तबका अपने बच्चों को शिक्षा तो निजी स्कूलों में दिलाता है,लेकिन उनको नौकरी सरकारी कराना चाहता है। ऐसा क्यों है समझना मुश्किल नहीं है। अपने देश में सरकारी नौकरी को 'स्टेट्स सिंबल' माना जाता है। सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए लो पानी की तरह पैसा बहाने में भी गुरेज नहीं करते हैं। सरकारी नौकरी का मतलब जीवन में सब कुछ 'हरा ही हरा' होना है। पूरी जिंदगी को 'सरकारी गारंटी' मिल जाती है। इसी लिए हमारे युवा वर्षों तक एक अदद सरकारी नौकरी के लिए इधरउधर भटकते रहते हैं। दरअसल, प्राइवट जॉब, स्वतः रोजगार या निजी व्यवसाय के मुकाबले सरकारी नौकरी के लिए योग्यता का पैमाना बहुत सीमित होता है, एक बार सरकारी नौकरी का ठप्पा लग जाने के बाद पूरी सरकारी सेवा के दौरान न तो कोई स्कूटनी होती है, न काम की समीक्षा। अगर होती भी है तो औपचारिता से अधिक कुछ नहीं होता है, लेकिन वेतन और अन्य सुविधाएं भरपूर और समय पर मिलता है। सरकारी नौकरी की यही खूबी उसे आम से खास बना देती है। हर युवा सरकारी नौकरी की तरफ भागता है। यह सच है कि समय के साथ नई पीढ़ी का सरकारी नौकरियों की तरफ से रूझान थोड़ा कम हुआ है,लेकिन अभी भी सरकारी नौकरी चाहने वालों का हुजूम ज्यादा कम नहीं हुआ, 21 वीं सदी में जिन युवाओंयुवतियों का सरकारी नौकरी की तरफ से मोह भंग हुआ है, उन्हें अपनी योग्यता और मेहनत पर ज्यादा भरोसा रहता है,इसी लिए वह अपना भविष्य संवारने के लिए प्राइवेट सेक्टर में जॉब करना ज्यादा पसंद करते हैं। जहां मेहनती और ईमानदार कर्मचारियों को बड़ीबड़ी कम्पनियां मोटे वेतन पर रखने से गुरेज नहीं करती हैं। इसी तरह तमाम युवक सरकारी नौकरी की बजाए अपना व्यवसाय करना ज्यादा सही समझते हैं,क्योंकि उन्हें पता है कि अपने व्यवसाय में वह जितनी मेहनत करेंगे उताना करोबार बढ़ेगा, लेकिन जिनके मन में सरकारी नौकरी की चाहत होती है,वह न जाने कब नौकरी तलाशते तलाशते सियासत का मोहरा बन जाते हैं। यह वह भी नहीं समझ पाते हैं। सरकारी नौकरी की चाहत में बेरोजगार घूमने वाले युवाओं के अपने जीवन में तो कठिनाई बनी रहती है,लेकिन तमाम दलों और नेताओं के लिए यह बेरोजगार वोट बैंक बन जाते हैं। नेतागण इन्हीं के कंधे पर रखकर निशाना दागते हैं। यहां तक की यह बेरोजगार सत्ता परिवर्तन तक कराने में सक्षम हो जाते है। हर चुनाव में बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा रहता है। बेरोजगारी का मुद्दा आगामी बिहार विधान सभा चुनाव में भी यह उछलेगा और उत्तर प्रदेश या अन्य राज्य भी चुनाव के समय इससे अछूते

नहीं रहेंगे।

आजादी के बाद से कोई भी ऐसा लोकसभा या विधान सभा का चुनाव नहीं हुआ होगा जिसमें देश में व्याप्त बेरोजगारी को विपक्ष द्वारा नहीं भुनाया गया होगा। इस समय कोरोना के चलते लगे लॉकडाउन से तो हालात और भी खराब हो गए हैं। देशभर में बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ी है। अर्थव्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। व्यापार ठप्प हो गया है। बेरोजगारी की गति को धीमा करने के लिए केन्द्र की मोदी और तमाम राज्य सरकारों द्वारा हरसंभव कदम उठाया जा रहा है। मोदी सरकार ने बैंको को सख्त आदेश दे रखे हैं कि वह बेरोजगारों को आसानी से कर्ज दें ताकि बेरोजगार युवा अपना कामधंधा शुरू कर सकें। सरकार के प्रयासों से स्थिति में थोड़ा बहुत सुधार आया है,लेकिन अभी बहुत किया जाना बाकी है। हो सकता है देरसबेर सब कुछ ठीकठाक हो जाए। बात जहां तक सरकारी नौकरियों की है तो, यह मान कर चलना चाहिए कि समय के के साथ सरकारी नौकरियों का दायरा सिकुड़ता ही जाएगा। जब सरकार निजीकरण को बढ़ावा देगी तो सरकारी नौकरियों में भी तो कमी आएंगी। अच्छी बात यह है कि कोरोना का असर धीमा होने के बाद निजी क्षेत्रों की कंपनियों में फिर से भर्तियों का दौर शुरू हो गया है,केन्द्र की मोदी सरकार जिस तरह से मेड इन इंडिया पर जोर दे रही है,उससे निश्चित ही बेरोजगारी में काफी हद तक कमी आएगी।

बहरहाल, बात निजी क्षेत्रों में काम करने वालों की लोगों की नौकरी की गारंटी की है तो अभी इसमें बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अभी तक कोई ऐसा ठोस फार्मूला तैयार नहीं तय हुआ है जिसके आधार पर प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों का शोषण रोका जा सके और उन्हें काम के अनुसार उचित पारिश्रमिक भी मिले। प्राइवेट सेक्टर में कार्यरत कर्मचारी की सेवा की शर्तें तय करते समय बड़ीबड़ी कम्पनियों के मालिक मनमानी करते है। काम के घंटे और कितना काम कर्मचारी से लिया जा सकता है, इस पर गंभीरता से कभी मंथन नहीं होता है।सरकार ने प्राइवेट सेक्टर में काम करने वालों के लिए जो गाइड लाइन तय की भी हैं उसका शायद ही कहीं पालन होता होगा। इसी लिए निजी क्षेत्र में रोजगार तलाशना जितना आसान लगता है, उतना ही जोखिम भरा भी रहता है और सरकारें इन्हीं की बदौलत लाखों लोगों को रोजगार और नौकरी देने के दावे करती हैं।

खैर, सरकारी दावों से अलग हिन्दुस्तान में बेरोजगारी के ताजा आंकड़ों नजर दौड़ाई जाए तो कोरोना काल में शहरी क्षेत्र में हर दस में से एक व्यक्ति इस समय बेरोजगारी झेल रहा है। देशभर में जून के महीने में लॉकडाउन में ढील मिलने के बाद जुलाई 2020 में रोजगार के बेहतर आंकड़े सामने आए थे. उम्मीद की जा रही थी कि अनलॉक के बाद धीरेधीरे रोजगार के आंकड़े और बेहतर होंगे, लेकिन अगस्त 2020 के आंकड़ों ने एक बार फिर निराश कर दिया। जुलाई के मुकाबले अगस्त 2020 में रोजगार के अवसर काफी कम हो गए। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में बीते महीने अगस्त में बेरोजगारी दर 8.35 फीसदी दर्ज की गई, जबकि जुलाई 2020 में यह 7.43 फीसदी थी। अर्थव्यवस्था के जानकारों से जब बढ़ती बेरोजगारी के बारे में पूछा गया तो उनका इस संबंध में कहना था कि देश में आर्थिक गतिविधियां शुरू हो चुकी है, उसके बाद भी जॉब की स्थिति चिंताजनक होना वास्तव में सरकार के लिए मुश्किल का सबब बन सकती है। सीएमआईई की रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त में शहरी इलाके में बेरोजगारी दर 9.83 फीसदी दर्ज की गई है, जबकि ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर का आंकड़ा 7.65 फीसदी रही।

अजय कुमार
लखनऊ ।
www.womenexpress.in

कैसे हों बिहार के राजमार्ग सुरक्षित

आज से तीस साल पहले की तुलना में देश की आबादी ने एक स्थान से दूसरे स्थान पर आनाजाना बहुत अधिक कर दिया है। जनता अपने करियर को पंख लगाने के लिए एक शहर से दूसरे शहर में बसने या कामकाज के सिलसिले में जाने लगी है। इसके चलते राजमार्गों पर यातायात भी बहुत बड़ा है। जो लोग हवाई मार्ग या रेल के रास्ते अपनी मंजिल तक नहीं जाते, वे सड़क मार्गों का ही सहारा लेते हैं। सड़कों से माल ढुलाई का काम तो होता ही है। देश में सबसे बड़ा हाईवे का नेटवर्क उत्तर प्रदेश में है। राज्य में 8,483 किलोमीटर लंबा हाईवे है। उसके बाद नंबर आता है बिहार का। वहां राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई 4,967 किलोमीटर है। बाकी राज्यों में भी हाईवे की लंबाई अच्छी खासी है। भारत में आज के दिन करीब एक लाख किलोमीटर लंबा नेशनल हाईवे का जाल बिछा हुआ है।

होगा राजमार्गों का कायाल्प

इस बीच, बिहार के लिए यह अच्छी खबर आई है कि वहां 14 हजार करोड़ रुपए की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। इस राशि से बिहार के राजमार्गों का विस्तार होगा। राजमार्ग परियोजनाओं में 3 बड़े ब्रिज और राजमार्गों को चार लेन तथा 6 लेन में अपग्रेड किया जाना शामिल है। बिहार में अब सभी नदियों पर पुल तो होंगे ही और सभी प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण का काम होगा। इस समय बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग का काम तेज़ी से किया जा रहा है। पूर्वी बिहार को पश्चिमी बिहार से जोड़ने के लिए चार लेन की 5 परियोजनाओं और उत्तर बिहार को दक्षिण बिहार से जोड़ने के लिए 6 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। बेशक, बिहार में आवागमन में सबसे बड़ी बाधा बड़ी नदियों के चौड़े पाट और तेज बहाव के चलते थी, इसीलिए बिहार के विकास के लिए प्रधानमंत्री पैकेज की घोषणा में पुलों के निर्माण को विशेष तौर पर ध्यान में रखा गया था। इसके अंतर्गत गंगा नदी पर 17 पुलों का निर्माण किया जा रहा है जिसमें से अधिकांश पूर्ण होने के चरण में है। इसी तरह से गंडक और कोसी नदियों पर भी पुलों का निर्माण किया जा रहा है। पटना रिंग रोड और पटना में गंगा नदी पर महात्मा गांधी सेतु के समानांतर तथा विक्रमशिला सेतु के समानांतर पुलों के निर्माण से पटना और भागलपुर के बीच संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा। देखिए एक बात तो समझ लेनी चाहिये कि हाईवे के निर्माण के बाद यह भी बिहार सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि उन पर सफर करने वालों को किसी सड़क हादसों से दोचार न होना पड़े। उत्तर प्रदेश और बिहार से गुजरने वाले हाईवे ही देश के सबसे असुरक्षित हैं। इन पर भीषण हादसों से लेकर हत्याएं और लूटपाट होना तो आम बात है। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के

आंकड़ों पर गौर करें तो यह समझ आ ही जाएगा कि उत्तर प्रदेश और बिहार के हाईवे कितने असुरक्षित हो चुके हैं। इनके बाद क्रमशः उड़ीसा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश का नंबर आता है। हाईवे पर होने वाले अपराध पुलिस के लिए अब एक नया सिरदर्द बन रहे हैं। तो कैसे थमे इन पर होने वाले अपराध और हादसे? इसका यही उपाय समझ आता है कि अपराधियों के मन में पुलिस का खौफ हो। वे अपराध को अंजाम देने से पहले दस बार सोचें। इसी तरह से हाईवे पर तयशुदा रफ्तार से ज्यादा स्पीड से अपने वाहन चलाने वालों पर भी कैमरों की नजर हो। हाईवे पर यातायात के नियमों का पालन न करने वालों पर कठोर दंड हो। उनके लाइसेंस कैंसिल कर दिए जाएं। कठोर एक्शन लिए बगैर तो हाईवे सुरक्षित नहीं होने वाले। योजना है कि कोरोना काल के बावजूद इस साल के अंत तक बिहार के सभी हाईवे पर तेजी से गाड़ियां दौड़ें। इसके लिए पटना, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, गया, भागलपुर, मुंगेर, बिहारशरीफ, आरा, समस्तीपुर, मधुबनी, छपरा, सिवान, गोपालगंज शहर में बाईपास निर्माण भी किये जा रहे है। ऐसे में इन हाईवे के निर्माण लागत के साथ ही चौड़ीकरण के उपयोग में आने वाली जमीन के अधिग्रहण की लागत भी तो सरकार वहन कर रही है। हाईवे का अर्थ होता है उन सड़कों से जिनसे वाहन बिना ठहराव के अपनी मंजिल की तरफ जा सकता है। पर अगर इन पर वाहनों की तादाद तेजी से बढ़ जाए और ये अपराधियों के स्वर्ग बनने लगें तो फिर उसके पूर्व ही कारगर कदम उठाए जाने चाहिए। इसलिए देश के हाईवे को हर लिहाज से सुरक्षित तो बनाना ही होगा। केंद्र सरकार की चाहत है कि बहरहाल, देश बुनियादी क्षेत्र के विकास पर जितना काम हो रहा है और जिस गति से इस काम को निपटाया जा रहा है वह तो अतुलनीय है। फिलहाल राजमार्गों के निर्माण की गति 2014 से पहले के मुकाबले में दोगुनी हो गई है।

2014 से पहले की तुलना में राजमार्ग निर्माण पर खर्च भी अब 5 गुना बढ़ा दिया गया है। सरकार ने आगामी 5 वर्षों के भीतर बुनियादी ढांचागत विकास पर 110 लाख करोड़ रुपए खर्च करने की घोषणा की है। इसमें 19 लाख करोड़ रुपए राजमार्गों के विकास के लिए ही समर्पित हैं। एक बात जान लें कि किसी भी देश की प्रगति की रफ्तार को जानने के लिए उसके हाईव को देख लेना चाहिए। अमेरिका में एक कहावत प्रचलित है, अमेरिका की सड़कें इसलिये शानदार नहीं हैं क्योंकि अमेरिका एक महान राष्ट्र है बल्कि, यह कहना उचित होगा कि अमेरिका एक महान राष्ट्र है क्योंकि अमेरिका की सड़कें शानदार हैं माफ करें हमारे देश में राजमार्गों के विस्तार पर बड़े स्तर पर काम अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदृष्टि के चलते ही शुरू हो पाया। अटल बिहारी वाजपेयी ने साल 1996 में प्रधानमंत्री बनते ही देश के चार बड़े महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई को चार से छह लेन वाले राजमार्गों के नेटवर्क से जोड़ने की एक महत्वकांक्षी योजना बनाई। इसे नक्शे पर देखेने पर यह राजमार्ग चतुर्भुज आकार का दिखता है और इसी वजह से इस योजना को ÷स्वर्णिम चतुर्भुज÷ नाम दिया गया। इस पर साल 1999 में काम चालू हुआ और साल 2001 में इस पर काम का श्रीगणेश भी हो गया। यह परियोजना साल 2012 में पूर्ण हुई। स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के तहत बने राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई 5,846 कि.मी. है। इसके निर्माण में लगभग 6 खरब रुपए का खर्च आया था। आप कह सकते हैं कि अटल जी ने जिस परियोजना को चालू किया था उसी ने वस्तुतः देश में हाईवे के विस्तार की नींव को रखा जिसे मौजूदा मोदी सरकार गति दे रही है। यह संयोग ही है कि नितिन गडकरी जैसा उत्साही और कार्य कुशल कर्मठ मंत्री मोदी सरकार में सड़क एवं परिवहन मंत्रालय को देख रहे हैं। उन्होंने अपने मंत्रालय की छवि को चमका दिया है।

आर.के. सिन्हा
पूर्व सांसद, नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

बेटी की बेस्टफ्रेंड बनें

अपने बढ़ते बच्चों को देखकर जितनी खुशी होती है उतनी ही चिंता भी होती है,खासकर बेटी के लिए।अपनी बेटी को कब और किस तरह से हम सारी जानकारी दें, उसके मन में उमड़ रहे सवालों का जबाब दें ,उसकी शंका को कैसे दूर करें ऐसे बहुत से सवालों से हम जूझते रहतें हैं। ये सवाल हर माँ के मन में उठता है। बेटियों के शारीरिक , मानसिक बदलावों के साथ किस तरह उसका परिचय करायें। जब बेटी बड़ी होती है तो ये बदलाव माँ को खुशी भी देती है और डर भी। कई शारीरिक् बदलाव के साथ उसका हार्मोनल बदलाव, दूसरों के प्रति आर्कषण, अच्छे और बुरे लोगों से सामना ऐसी हर बातों से अवगत हमें अपनी बेटी को कराना होगा। हाँलाकि सारी जानकारी उसे दोस्तों से मिलती है और कुछ टेक्नोलॉजी से भी वो ढूँढ लेते हैं पर हम माँजिस तरह जिस प्यार और स्नेह से हम उसे बतायेंगे वो टेक्नोलॉजी तो नहीं दे सकती। जिस प्यार भरी हाथों को उसके सिर पर फेर कर हम उसे आने वाले दिनों का परिचय करायें वो उसे एक टेक्नोलॉजी तो नहीं दे सकती । वो एहसास सिर्फ़ एक माँ ही दे सकती है।

आजकल बहुत सी माँ कह देती हैं कि आजकल के बच्चे सब समझते हैं उसे सारी बातें पता होती हैं, हमें बतानें की नहीं जरूरत पर यही गलती हो जाती है। हमारी सोच गलत है यहाँ। बातें तो उन्हें पता होती हैं पर अधकचरा मतलब आधा अधूरा । जी हाँ सारी बातें वो नहीं समझ पातीं हैं जितना कि हम या आप उसे समझा पाएँगे। माँ तो माँ होती है अपने बच्चों को वो ही अच्छे से समझती है उसे कौन सी बात किस तरह समझानी है उसे अच्छे से पता होता है। माँ बेस्ट फ्रेंड बन जाती है बढ़ती बेटी की बस थोड़ी समझदारी से। माँ से बेहतर कोई दोस्त नहीं होता अच्छे बुरे सब की समझ हम माँ ही बेहतर ढंग से समझा सकते हैं इसलिए अपनी बढ़ती बेटी को अपने प्यार,अपनापन ,अपने हाथों का स्पर्श देकर उसे आने वाले बदलावों की जानकारी खुलकर दें।

आप बस आगे बढ़कर उसे अपना बेस्ट फ्रेंड बना लें हर बात वो खुलकर कहेगी और आपसे सलाह भीलेगी।जरूरत है आप के प्यार और स्पर्श की। अपने अंदर उठते सवालों को पूछ पाएगी फिर देखिए आपस बस अनमोल माँ और सबसे अच्छी दोस्त बन जाएँगी अपनी बढ़ती बेटी की। आप हर लम्हा हर जरूरतमें उसके साथ होगीं और कोई परेशानी उसे छू भी नहीं पाएगी क्योंकि उसके साथ होगी उसकी बेस्ट फ्रेंड उसकी माँ और केवल उसकी माँ ।

निक्की शर्मा रश्मि
www.womenexpress.in

घर की शान होती है बेटियां

घर की शान होती है बेटियां,
ईश्वर का वरदान होती है बेटियां,
मातापिता की अरमान होती है बेटियां,
घर की लक्ष्मी होती है बेटियां,
पिता की जान होती है बेटियां,
माँ की ममता होती है बेटियां,
बेटियों से ही कुल का विकास होता है,
बेटियों से ही घर में रौनक होती है,
बेटियों से ही कुल का दीपक जलता है,
बेटियां ही है जो पराई घर को भी अपना लेती है,
बेटियां ही है जो बिन कुछ कहे हर दुख झेल लेती है,
बेटियों से ही जग का निर्माण होता है
बेटियों से ही जग का कल्याण होता है

काजल कुमारी सिंह बर्दमान, पश्चिम बंगाल ।
www.womenexpress.in

बेटियाँ...

बेटियाँ
देह से जन्मी रूह हैं,
प्राण हैं,
फूल की खुशबू हैं,
महकाती असंख्य उपवन
जीवन का मधुमास हैं।

बेटियाँ संस्कृति हैं,
परम्पराओं का विश्वास हैं,
परिवार की आस हैं
धरती की प्यास हैं

नदियों का जल हैं
सूरज का ताप हैं
चाँद की चाँदनी
विस्तृत आकाश हैं।

बेटियाँ
हर पर्व का उल्लास हैं,
होली का फ़ाग हैं,
दिवाली का उजास हैं,
ईद की नमाज़ और
सेवियों की मिठास हैं!

जीवन का पुण्य हैं,
गुरु का प्रसाद हैं!
बेटियाँ हैं तो सृष्टि
अनवरत महारास है।

तरुणा पुंडीर, तरुनिल
www.womenexpress.in

आंगन की शान है बेटी

पढ़ती और पढ़ाती बेटी।
शिक्षित समाज बनाती बेटी।
होती है मां की प्यारी वह,
कभी नहीं घबराती बेटी।।

पिता का सम्मान है बेटी।
माता का अरमान है बेटी।
भाईबहनों की प्रिय साथिन,
घरआंगन की शान है बेटी।।

लक्ष्मी पत्ना पद्मिनी है बेटी।
सत्साहस की धनी है बेटी।
सुदूर अंतरिक्ष में जाकर,
कल्पना सम बनी है बेटी।।

मुरली की धुनतान है बेटी।
और कभी अजान है बेटी।।
सहे कष्ट पर धैर्य न छोड़ें,
देश का गर्वमान है बेटी।।

असिया फारूकी
फतेहपुर (उत्तर प्रदेश)।

जो बिटिया मेरे घर आई है

नन्हीं सी कली जब,
अंगना में मेरे खिली थी।
उसकी किलकारियों से गूंजी,
मेरे जीवन की हर घड़ी थी।।

भूल कर प्रसव पीड़ा,
मैं देख उसे मुस्कुरा उठी।
गोद मैं उठाकर उसे,
मैं माथा उसका चूम उठी।।

काला टीका लगाकर ,
नजर उसकी उतार दी।
ढेरों आशीष और दुआएं,
मैंने उस पर वार दीं।।

मेरे सूने जीवन में उसने ,
मुस्कान अपनी बिखेर दी।
दामन में खुशियां भरकर उसने,
जिंदगी मेरी संवार दी।

नन्हें द्ध नन्हें कदमों से आज,
लक्ष्मी मेरे घर आई है।
भाग्य मेरे सौभाग्य हुए,
जो बिटिया मेरे घर आई है।।

नीता तायल
कासगंज ,उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

बेटियाँ है एक अमूल्य निधि

बेटियाँ है एक अमूल्य निधि ,
प्रकृति की अद्भुत रचना है ,
जीवन में बसंत और उल्लास
है बेटियाँ

जिसके संग जुड़े हैं जीवन के
सरस तार ,
सूरज की रोशनी की तरह
चमकती हैं ,
जीवन में खुशियाँ घोलती हैं बेटियाँ

संस्कारों की शान हर घर की जान है
प्रेम का आधार खुशियों का संसार है,
त्याग की सूरत, ममता की
मूरत है बेटियाँ

कई रूप अनुपम हैं इसके ,
आंगन की तुलसी मेरा विश्वास है ,
हर लम्हे में खुशियाँ ढूंढती है बेटियाँ

दुःख की बदरी जब भी कभी आती
सुधा रस सब पर बरसाती हैं बेटियाँ
हमेशा नव दृष्टि से नव सृष्टि का ,
निर्माण करती हैं बेटियाँ

खुली वादियों में चहकती कलियां ,
प्यार का रिश्ता जैसे कोई फ़रिश्ता ,
जीवन की कीमती सौगात है बेटियाँ

सोनी गुप्ता
कालका जी, नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

आखिर क्यों ?

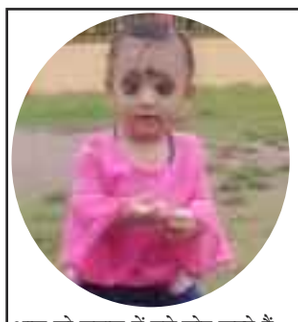

आज जो समाज में बड़े लोग कहते हैं,
लड़के लड़कियों में हम फर्क नहीं
रखते है।

कभी पूछो जाकर उन बेटियों से जो,
जकड़ी है आज भी गुलामियों की
बेड़ियों से।

क्यों उन्हें नहीं है हक शिक्षा का?,
क्या बेटी है यही सजा

मिली है होने का?!
खुल कर जीने नहीं दिया गया उन्हें,
घुटघुट कर छोड़ दिया मरने उन्हें।

होते बेटे अगर पैदा
बाँटी जाती बधाईयाँ,
गर होते हम बेटियाँ तो क्यों फेंकी
जाती झाड़ी तो कहीं खाइयाँ?!

क्या दोष है? हमारा हे! विधाता
तुम्हीं बताओ,
क्या इस धरती पर नहीं कोई हक
हमारा ये समझाओ?!

वजूद है! इस संसार का हम से,
फिर क्यों? करते हमें रुषवा
हर कहीं से!

माँ, बहन, बेटी हर एक रिश्ते
जुड़े हैं हमसे,
फिर भी क्यों खामोश हो जाती
दुनिया के सितम से?!

पूछ रही है आज मेरी आत्मा मुझसे,
कब खत्म होगी ये रीत? कब
मिलेगी सम्मान हमें सबसे?!

आखिर क्यों झेले ये दोरुपता?
क्यों सहते रहे बदिशों की करूरता?

आखिर क्यों? आखिर क्यों?
आखिर क्यों? आखिर क्यों

सरिता श्रीवास्तव,
आसनसोल (पश्चिम बंगाल)
www.womenexpress.in

नारी शक्ति

कभी दुर्गा कभी काली के
रूप में लेती हो अवतार
धरती की भलाई के लिए
दुष्टों का करती हो संहार।

सहती हो दुनिया भर का गम
फिर भी बच्चे को देती हो जन्म
माँ बहन बहू बेटी हर
रोल निभाती है
नारी की महत्ता कभी नहीं
होगी कम।

छोटे बड़े सभी को करती है प्यार
पति काम में जाने पर
करती है इंतजार
पुरे परिवार को खुद संभालती है
नारी के बिना अधूरा है संसार ।।

लक्ष्मण कुमार
दुमका, झारखंड ।

बेटी की अभिलाषा

माँ तू तनिक व्यथित न होना,
मैं जब तेरी कोख में आऊँ।
मेरी रक्षा की खातिर लड़ना,
मैं भी सूंदर दुनिया में आऊँ।।

माँ तुम बेटा बेटी का अंतर,
अपने घर में कभी होने न देना।
मुझको भी शिक्षा का मोल बता,
जी भरकर मुझको पढ़ने देना।

मैं सरस्वती सी बनूँ विदुषी,
दुर्गा सा साहस भर देना।

लक्ष्मी सा तेज मेरे मुख हो,
हर गुण सम्पन्न बना देना।

माँ तेरी बेटी की अभिलाषा है,
तू करे अभिमान सदा मुझ पर।
मैं हिमशिखरों की चोटी छू लूँ,
मैं चाँद सितारों तक जा पहुँचूँ।

मैं भी बनूँगी श्रवण कुमार सी,
अपना हर कर्तव्य निभाऊंगी।
मात पिता के सुख को मैं भी
अपना परम् धर्म बनाउँगी।

उन्मुक्त गगन में परियों जैसी,
मुस्कान बिखेरती उड़ने देना।
किसी बँधन में मत मुझे बाँधना,
अपनी राह स्वयं ही चुनने देना।।

नीलम द्विवेदी
रायपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

एक नारी हूँ

एक बेटी की अभिलाषा
बहुत मन्नतों से ईश्वर से आशा
करती हूं
मुझे भी जन्म लेना है
ना मुझे मारो अपने गर्भ में
हर दुःख हर संताप हूँ सहती
ना कोई मान सम्मान
प्रत्येक माता पिता की चाह बेटा
बेटी की आशा किसी को नहीं
जन्म होते ही मुँह से निकले बेटी
हर धीरज मर्म पल पल सहती

मैं हूँ बेटी
आत्मविश्वास और स्वाभिमान
से जीती
एक शक्ति स्वरूपा काली दुर्गा
मत समझो कमजोर मुझे हर
रूप मेरी छाया
माँ बेटी बहन सर्वप्रथम
एक नारी हूँ
मौन हूँ तो ज्वाला हूँ
सृष्टि की जीवनदायिनी हूँ
मेरा अस्तित्व एक बेटी नारी
स्वरूप ही हूँ
एक बेटी की यही अभिलाषा है।

भावना गौड़
ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

फिर भी मैं पराई हूँ

पापा.. आपके घर आँगन में
खुशियां ले कर आई हूँ
कहते है सभी मुझे,
मैं अपनी माँ की परछाई हूँ

घर के कोने कोने में,
हँसी अपनी सजाई हूँ

पापा... फिर भी मै पराई हूँ..?
भाई की राजकुमारी,
बहन ने गोद खिलाई हूँ

हुई बड़ी तो, बात बात पर
दादी से ताना खाई हूँ

क्या ये मेरा घर नही..??
इस बात से मैं घबराई हूँ

पापा... क्या सच मे, मैं पराई हूँ..??

जाना होगा ... दूजे घर,
ये भाग्य लिखा कर आई हूँ

बनी दुल्हन, डोली बैठी
हुई अपनो से, आज जुदाई है

अब होगा, मेरा अपना घर
ये सोच कर, मैं हरषाई हूँ

बन बहु, पत्नी किसी की
फिर भी, दूजे घर की कहलाई हूँ

पापा... क्या यहाँ भी, मैं पराई हूँ..??
उस घर की बेटी, इस घर की बहू

बन हर रिश्ता निभाई हूँ
पापा.... फिर यहाँ, क्यों मैं
पराई हूँ..??

दोनों घर का रख कर मान
क्यों..? दोनों घर से बिसराई हूँ

रिश्तों की सब क्यारी सींची
फिर मैं ही क्यो ..? मुरझाई हूँ

मायका हो या ससुराल
पापा... मैं ही क्यो, पराई हूँ...??

पूनम बागड़िया, पुनीत
नई दिल्ली।
www.womenexpress.in

पति के घर जिम्मेदारी उठाती हैं बेटियां

भगवान का दिया सुखद
अनुभूति होती हैं बेटियां,
पलती हैं जिस घर मे उस घर
को महकाती हैं बेटियाँ,
बिन बेटी के घर हो जाता है
सूना ,घर मे चिड़िया सी
चहकती हैं बेटियां,
जो हो जाती हैं पराई तो हर पल
माँ बाप को याद आती हैं बेटियां,
माँ बनकर फिर किसी को
संभालती हैं बेटियां,
घर को सजाना और सबको
हंसाना बाइस भी करती हैं बेटियां ,
पिता के घर मे चहकती हैं तो
पति के घर जिम्मेदारी
उठाती हैं बेटियां ,
भगवान का दिया सुखद
अनुभूति होती हैं बेटियां ।
मेरे पास हैं दो भतीजी दिन भर
दुलराती हैं खूब चहचहाती हैं,
विधी का विधान होती हैं
बेटियां प्रज्ञा (बुद्धि)का भंडार
होती हैं बेटियां ,
भगवान का दिया सुखद
अनुभूति होती हैं बेटियां ।

अंकुल त्रिपाठी
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

इंसान है तू

तू केवल हाड़ मांस का पुतला नहीं
इंसान है तू कुछ और नहीं,
फिर क्यों हैं बेखबर इस रिश्ते से
निभा इंसानियत हर शख्स से
नैकी करता चल और जीवन
पथ पर आगे बढ़,
चल परम लक्ष्य की ओर

खुद के होने का अर्थ तू
हांसिल कर,
मानव जीवन की सार्थकता को
एक नैक इंसान बनकर ही
सिद्ध कर।
क्योंकी अभिमान में जो तू डूब गया,
अपनों से हमेशा तू दूर गया,
जो क्रोध को ना तू पी पाया,
विनाश को खुद तू ले आया,
गर प्रेम की भाषा ना समझ पाया
तो फिर इंसान तू कैसा
कहलाया??

दिव्या सक्सैना
ग्वालियर (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

मैं भी ख्वाबों की कली हूँ...

मैं भी ख्वाबों की कली हूँ..!
मैं भी ख्यालों की मखमली हूँ..!!
मुझे भी पलकों पर सपने
सजाने दो..।

हर वर्ण की सुवर्ण गुलदस्ते से..,
रंग बिरंगी फूल चुरा लाई हूँ....!
मुझे भी गंगोत्री की गंगा में
चढ़ाने दो..।।

पहली बारिश की बूँदों से नहाई हूँ..!
नहाकर बड़ी ही इतराई हूँ..!!
हर रंग की कमल लाई हूँ..!!!
अर्ध रात्रि की मदहोश नीलिमा में..,

सोई हुई नींदों से नील कमल..,
चुरा लाई हूँ..!

शाम ने डूबता हुआ सूरज के..,
इशारे पर वातावरण को ..,
सुनहरा कर दिया है..!
उनके पहलु से सुनहरा कमल..,
चुरा लाई हूँ..!!

शान्ति का पाठ पढ़ाने वालों के..,
चरणों के आगमन के..,
पद चिन्हों के छापों से..,
श्वेत कमल चुरा लाई हूँ..!!

मैं भी ख्वाबों की कली हूँ..!
मैं भी ख्यालों की मखमली हूँ..!!
मुझे भी पलकों पर सपने
सजाने दो...।

मनोज शाह
सुदर्शन पार्क मोती नगर
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

पहला नशा

क्या उम्र थी वो, क्या फसाना था,
चारों तरफ बस ऐसा ही
नज़राना था,
ना मोबाइल ना मैसेज का
जमाना था,
प्रेम पत्र से ही अपना प्यार
बरसाना था...
पहला पहला नशा मुहब्बत का

उस वक्त चढ़ा था उसको ,
जब माचिश के डब्बे में प्रेम पत्र
डाल कर भेजा था मुझको...
हाय! कैसे धबरायी थी मैं
और कुछ शरमाई भी थी मैं,
प्रेम पत्र पढ़ भी न सकी
और जाकर कूँए में फेंक आई
थी मैं...
प्रेम तो चला गया
नशा उन्मूलन केन्द्र (कूँए में)
और ऐसी नशाबंदी हुई ,
प्रेम पत्र लिख नहीं पाया वो...

पुष्पा सहाय, गिन्नी
रांची, झारखंड ।
www.womenexpress.in

फिर क्यों इस दुनियाँ में आयीं हैं बेटियाँ

बाबुल पीहर दोनो को परायीं हैं
बेटियाँ ।
फिर क्यों इस दुनियां में आयीं
हैं बेटियाँ ।।
भ्रूण से मृत्यु तक लाखों दफा
मरती रहीं ।
इक़ दबी कुचली आवाज बन
गयीं हैं बेटियाँ ।।
प्रश्न करती हूँ प्रभु मुझको ये
बतलाओ तुम ।
क्यूं इस धरा पर भेजीं गयीं हैं
बेटियाँ ।।
करतीं हैं समझौते हर लम्हा
जिंदगी में ।
न करे तो असभ्यता की परछाई
हैं बेटियाँ ।।
दफन हैं अनगिनत अरमान
दुनियाँ के ।
क्यों बेबस लाचार जिंदगी
पायीं हैं बेटियाँ ।।
हर दिन अनगिनत पीड़ाओं को
सहकर भी ।
कली की तरह फिर भी
मुस्कुरायीं हैं बेटियाँ ।।
अथाह वेदनाओं को सहकर भी
दुनियाँ में ।
तितली और फूलों सी प्यारी
रानाईं हैं बेटियाँ ।।
कल्पना, इंदिरा, सुषमा, प्रतिभा
बनकर के ।
सिंधु, साक्षी सा हौंसला भी
दिखायीं हैं बेटियाँ ।।
बाँटती हैं सबके दर्द फिर भी
उन्हीं की दी चोटों में ।
हँसते हँसते पीड़ा में भी
मुस्कुरायीं हैं बेटियाँ ।।
धरती सा धीरज धारण कर वो
जिंदगी में ।
आसमान से भी ऊंचा हौंसला
पायीं हैं बेटियाँ ।।
परायी न कहो इनको जूली ये
हैं वरदान ईश्वर का ।
दोनों घरों को रौनकें देने जग
में आयीं हैं बेटियाँ ।।

जूली परिहार
अम्बाह, मुरैना (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

तुम्हारा सम्मान बढाती है बेटी

तुम्हारा सम्मान बढाती है बेटी
तुम्हारी हर बात सुनती है बेटी
तु भाग्य का रोना रोना छोड़ दे
सौभाग्य से जन्म लेती है बेटी।।

जीवन में उमंग भरती है बेटी
जीवन के संकट हरती है बैटी
बेटी को बेटा मानकर तो देख
हर एक काम करती है बेटी।।

कहने को भाग्यहीन होती
है बेटी ।
जीवन में बहुत कुछ
खोती है बेटी ।
तुम क्या जानो...
अभाग्य मनुष्य ।
भाग्य से मिला अमूल्य
मोती है बेटी।।

सुखदेव टैलर, निम्बी जोधाँ
नागौर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

कुछ लम्हे खोये खोये से

कुछ लम्हे खोये खोये से
दिल करता पाने की तमन्ना क्यों
कुछ यादें बिखरी बिखरी सी
दिल चाहता उनको समेटना क्यों

कुछ गुजर गया अतीत में पीछे
दिल चाहता याद करना जाने क्यों
कुछ छूट गया हाथों से बरबस
दिल चाहता उनको पकड़ना क्यों

कुछ सपने थे अनजाने से
दिल चाहता जेहन में सहेजना क्यों

कुछ उलझन थी अनजानी सी
दिल चाहता उनसे भागना क्यों

कुछ आशा थी अपनों से
दिल चाहता पूरी करना क्यों
कुछ अपने थे अनजाने से
दिल चाहता रिश्ता जोड़ना क्यों

कुछ भीग रहा है अंतर्मन में
दिल चाहता पार जाना क्यों

कुछ चटक रहा है अभिमंत्रित सा
दिल चाहता उसको जोड़ना क्यों

कुछ पल रहा है अनकहा सा
दिल चाहता उससे भाग जाना क्यों

कुछ सुलग रहा है गीली
लकड़ी सा
दिल चाहता पानी डालना क्यों

वर्षा वार्ष्णेय
अलीगढ़ ।
www.womenexpress.in

ये मजबुरी

हस्ती खेलती जिन्दगी को दबा
देती है ये मजबुरी,
सपनो के उडते पंख को तोड
देती है ये मजबुरी।
जाने कहा से आई है ये मजबुरी,
गरीब को उपर उठने से
दोस्त को दोस्ती निभाने से
प्यार वालो को मिलने से
रिश्तो को निभाने से

रोक देती है ये मजबुरी ।।
ये मजबुरी किसी को दिल से
जीने नही देती,
ये मजबुरी किसी को आगे
बढने नही देती ।।।
आखिर कैसे खत्म करे इस
मजबुरी को,
खत्म करे तो किसी का दिल
टूट जाता है,
और किसी का दिल तोड़ना भी
नही चाहती
ये मजबुरी ये मजबुरी ये
मजबुरी !!!!

यशवंत सोनी
सिरोही, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

पहेली जिन्दगी की

क्या कहुँ पहेली ज़िन्दगी की
उलझन तो बहुत है इस
सुनहरे जीवन के सफ़र में ,
खुशी के रंग भरो तो

खिलखिला जाये फूलों की भाँति
और मायूसी के चादर ओढ़े ,
तो एक पल भी जीना
मुश्किल हो जाए ,
यही पहेली हैं ज़िन्दगी की
जो समझ गया इसे ,मानो
जीवन के सफ़र में सफल हो गया

ममता कुशवाह
नगाँव, असम
www.womenexpress.in

सत्य

सत्य सदा सुन्दर
कदापि नहीं हो सकता है।
सत्य ,सत्य होता है।
वह गरीब की कराहती भूख,
पीड़ित की तड़प,
शोषक का क्रूर अट्टास...
होती है।
फूलों की सुन्दरता,
न्याय की प्रतिष्ठा,
और दया की शोभा होती है।
सत्य, सत्य ही होता है।
वह सुन्दर, असुन्दर विद्रूप और
घृणास्पद भी होता है।
सत्य का रूप बदलता रहता है।
सत्य निरपेक्ष है,
बदलती परिस्थितियों में,
बदलते विशेषण के साथ, शेष है।

महेश वर्मा

शुभमन गिल की नाबाद 70 रन की पारी की मदद से कोलकाता ने हैदराबाद को हराया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

अबु धाबी, 27 सितंबर । युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की नाबाद 70 रन की जबरदस्त पारी और उनकी इयोन मोर्गन (नाबाद 42) के साथ 92 रन की बेहतरीन अविजित साझेदारी की मदद से कोलकाता नाईट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को शनिवार को आईपीएल मुकाबले में सात विकेट से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की।

कोलकाता ने हैदराबाद को 20 ओवर में चार विकेट पर 142 रन पर रोकने के बाद 18 ओवर में तीन विकेट पर 145 रन बनाकर आसानी से मैच अपने नाम कर लिया। हालांकि कोलकाता की शुरूआत खराब रही थी। कोलकाता की टीम को पहला झटका सुनील नरेन के तौर पर लगा और उन्हें खलील अहमद ने बिना खाता खोले ही आउट कर दिया। नरेन ने दो गेंदों का सामना किया। नीतिश राणा अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने 13 गेंदों पर 26 रन बनाए, लेकिन उनकी पारी का अंत टी नटराजन ने किया। वो साहा के हाथों कैच आउट हुए। कप्तान दिनेश कार्तिक राशिद खान की गेंद पर बिना खाता खोले एलबीडब्ल्यू होकर वापस लौटे। लेकिन इसके बाद गिल और इंग्लैंड के मोर्गन ने चैथे विकेट के लिए 92 रन की मैच विजयी अविजित साझेदारी की। कोलकाता की दो मैचों में यह पहली जीत है जबकि हैदराबाद को लगातार दूसरी

हार का सामना करना पड़ा। इसके पूर्व कोलकाता नाईट राइडर्स ने अपने गेंदबाजों के सधे हुए प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद को 20 ओवर में चार विकेट पर 142 रन पर रोक दिया। हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

वार्नर ने 30 गेंदों पर 36 रन में दो चैके और एक छक्का लगाया जबकि मनीष पांडेय ने आईपीएल में अपना 16वां अर्धशतक पूरा किया। पांडेय ने 38 गेंदों पर 51 रन में तीन चैके और दो छक्के लगाए। इस मैच में आलराउंडर विजय शंकर की जगह लाये गए रिद्धिमान साहा ने 31गेंदों में एक चैके और एक छक्के के सहारे 30 रन बनाये। ओपनर जानी बेयरस्टो पांच रन बनाकर आउट हुए। हैदराबाद की शुरुआत काफी निराशाजनक रही और पैट कमिंस के सामने वार्नर तथा बेयरस्टो दोनों को ही रन बनाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कमिंस ने पहले तीन ओवर के स्पैल में मात्र 11 रन दिए और बेयरस्टो का विकेट लिया। कमिंस के पारी के चैथे ओवर की पांचवीं गेंद पर बेयरस्टो को अम्पायर ने विकेट के पीछे आउट करार दिया। लेकिन बेयरस्टो ने तुरंत डीआरएस के लिए इशारा किया ।

मैनचेस्टर युनाइटेड ने ब्राइटन को 3.2 से हराया

ब्राइटन। मैनचेस्टर युनाइटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में ब्राइटन के खिलाप जीत हासिल की है। ब्रुनो फर्नांडीज के इंजुरी टाइम में पेनाल्टी पर दागे गए गोल की मदद से युनाइटेड ने ब्राइटन को 32 से हराया। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब मैनचेस्टर युनाइटेड ने 2020 21 सत्र के एक रोमांचक मैच में शनिवार को ब्राइटन क्लब को हराते हुए सत्र की अपनी पहली जीत दर्ज की। इंग्लिश प्रीमियर लीग में शनिवार को एक बेहद ही रोमांचक मुकाबला खेला गया। ब्राइटन और मैनचेस्टर युनाइटेड के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली।

दोनों ही टीमें मैच के फुल टाइम तक 22 की बराबरी पर थी। मैच इंजुरी टाइम में गया और यहां मैनेचेस्टर युनाइटेड के ब्रूनो ने कुछ ऐसा किया जिसने टीम को सीजन में उसकी पहली जीत दिलाई। ब्राइटन के लिए नील माउपे ने 40वें मिनट में पेनाल्टी पर गोल करके अपनी का खाता खोल दिया लेकिन मैनचेस्टर ने तीन मिनट बाद ही किस्मत से सहारे मुकाबले में बराबरी हासिल कर ली क्योंकि ब्राइटन के लुइस डंक अपनी ही टीम के खिलाफ आत्मघाती गोल कर बैठे। हाफ टाइम तक दोनों ही टीमें मुकाबले में 11 से बराबरी पर थी।

वेडिंग एंथम के लिए साथ आए मीका सिंह, नेहा कक्कड़ और बादशाह

(मानव शर्मा)

मुंबई, 27 सितंबर । भारत के तीन सबसे बड़े हिट मेकर्स मीका सिंह, नेहा कक्कड़ और बादशाह सावन में लग गई आग, वेडिंग एंथम के लिये साथ आये हैं। गायक संगीतकार मीका सिंह द्वारा गाए गए लोकप्रिय गाने सावन में लग गई आग का ट्विस्ट के साथ ऑफिशियल रीमेक किया गया है। फिल्म गिन्नी वेड्स सनी के लिए मीका सिंह, आइकॉनिक रैपर बादशाह, बॉलीवुड चार्टबस्टर क्वीन नेहा कक्कड़ एक साथ मिलकर वेडिंग पार्टी एंथम लेकर आ रहे हैं जिसका नाम 'सावन में लग गई आग' है।

फिल्म के म्यूजिक पार्टनर सोनी म्यूजिक इंडिया ने इस गाने का स्नीक पीक आज रिलीज कर लोगों का उत्साह बढ़ा दिया है। इस गाने को मीका, बादशाह और नेहा कक्कड़ ने अपनी

आवाज दी है। सोनी म्यूजिक इंडिया के सीनियर डायरेक्टरमार्केटिंग, सानुजीत भुजबल ने कहा, 'सावन में लग गई आग लोगों को डांस फ्लोर पर जाने के लिए मजबूर कर देगा। इस गाने के जरिए हम इन तीन पॉपुलर म्यूजिक आइकन्स को पहली बार एक साथ लाकर बहुत खुश हैं। यह ट्रैक एनर्जी से भरपूर है, और हम उम्मीद करते हैं कि यह सब का पसंदीदा पार्टी सोंग जरूर बनेगा।'

म्यूजिक कंपोजर पायल देव ने कहा,'मीका सिंह, बादशाह और नेहा कक्कड़ के साथ इस मजेदार ट्रैक के लिए काम करना बहुत ही अद्भुत रहा। इस गाने को प्रस्तुत करने वाले तीनों कलाकारों ने इस गाने को अपने स्पर्श से अनोखा बना दिया है, जिसकी वजह से यह एक पार्टी नंबर बन सकता है। गाने की रिलीज को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं। यह गाना मनोरंजन से भरपूर है।'

संगीतकार, लेखक और गायक मीका सिंह ने कहा, इस सोंग का स्नीक पीक श्रोताओं के लिए पार्टी इन्विटेशन है। सावन में लग गई आग इस गाने के लिए मैं इन प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम कर के बेहद खुश हूं। इस गाने से जुड़े सभी लोग यही चाहते हैं कि श्रोता इस गाने का मजा लें और इसे पसंद करें। मुझे इस गाने के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार है।' सावन में लग गई आग गाना 28 सितंबर को रिलीज किया जाएगा।

प्राची देसाई के बचाव में उतरे अभिषेक बच्चन

मुंबई, 27 सितंबर । बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अभिनेत्री प्राची देसाई की कड़ी मेहनत के लिए उनकी प्रशंसा की है, जिसपर अभिनेत्री ने उनका आभार व्यक्त किया। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर अभिषेक बच्चन को ट्विटर पर प्राची देसाई से ज्यादा फॉलोअर को लेकर उन्हें ट्रोल किया गया था। एक यूजर ने लिखा था, आउटसाइडर बनाम नेपोटिज्म। यहां प्राची देसाई के 13 लाख फॉलोअर हैं, वहीं अभिषेक बच्चन के 1 करोड़ 53 लाख फॉलोअर हैं और

आप लोग बॉलीवुड से कुछ अच्छे की उम्मीद रखते हो। मेरे मतलब कैसे। बॉलीवुड में कड़ी मेहनत और सही हुनर के समर्थन का बुरा दौर है। इसपर अभिषेक बच्चन ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त करते हुए लिखा, मिस्टर सिंघल मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके सोशल मीडिया पर जितने भी फॉलोअर हैं, वे लोकप्रियता के आधार पर नहीं हैं। मेरी दोस्त प्राची देसाई एक बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं। उनको सोशल मीडिया पर समर्थन की कोई जरूरत नहीं है। उसका काम बोलता है। अभिषेक का रिएक्शन देखकर अभिनेत्री ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, अभिषेक बच्चन आपके शब्दों के लिए धन्यवाद।

बचपन का इश्क

बड़े बड़े थे सब सखा, और
बड़े थे यार।
एक संग ही खेलते,बहुत करे
सब प्यार।।
कोई बन जाता कृष्ण, कोई
माखनचोर।
संग संग ही दौड़ना, साथ
मचाते शोर।।
खेलते संग कबड्डी, खेलते
आस पास।
एक दूसरे का सखा, होते थे
सब खास।।
अगर रूठ कोई गया, फुसलाना
था काम।
कहते कुछ भी चाहिए, दूंगा
वैसा दाम।।
आगे वाली सीट पर, राधा
जैसी नार।
पीछे वाली सीट पर, मरियल मैं
लाचार।।
बोली वह नहीं सबसे, गिरा
दुपट्टा यार।
उठाने हेतु जब बढ़ा, पड़ी मुझे
तब मार।।
हंस पड़े सब मित्र तो,बदला मैं
भी सोच।
मैं तो बेकसूर हुआ, लिया
बदन मैं नोच।।
मुझे देखकर वो तनिक,बोली
मीठे बोल।
भैया मानी वो मुझे,हृदय गया
तब डोल।।
अब जब सब मिलते कहीं,
आती बातें याद।
बचपन में जो प्यार था, ना
कोई फरियाद।।

पुनीत साव
www.womenexpress.in

माँ की ममता

भगवान को भी जन्म एक माँ
ही देती है !

सुंदरता की पहचान भी माँ ही
करती है,
लूटा कर सब कुछ देती है तो
सिर्फ माँ ही देती है !

गहराई को कोई आज तक माप
नहीं पाया,
माँ की ममता और माँ की
क्षमता को जिसने भी पाया !

मौत को भी आईना दिखा कर
जन्म माँ ही देती है,
जन्म देकर लंबी उम्र की दुआ
भी माँ ही देती है !

जगत को जन्म देने वाली माँ
ही होती है,

विजयराज जैन
(मुंबई)।
www.womenexpress.in

एक न एक दिन

एक न एक दिन
मेरा हर विचार तुम्हारे पास होगा!

एक न एक दिन
पतझड़ का मौसम बीतेगा;
एक न एक दिन
मेरा मन भी जीतेगा!

एक न एक दिन
वो गीला रुमाल भी हवा से सूखेगा;
एक न एक दिन
वो झूठा अहंकार भी टूटेगा!

एक न एक दिन
मेरी कोशिशें रंग लाएंगी;
एक न एक दिन
सूरज की किरणें घर आएंगी!

एक न एक दिन
मेरी कमी का एहसास होगा;

रूना लखनवी
www.womenexpress.in

कोरोना महामारी है

सारे जग में फैल चुकी ये,
कोरोना महामारी है।
फैल रही जो छुआछूत से, ऐ
संक्रामक भारी है।।

दहलीज न पार करो घर की,
जंग हमारी जारी है।
उपचार नही जग में इसका,
लाइलाज बीमारी है।।

सीमाओं पर जाने कितने, युद्ध
लड़े होंगें हमने।
हारजीत के कितने हर्ष विषाद
सहे होंगें हमने ।।

एक महामारी कोरोना, जीवन
पर अभिशाप बनी।
बन बीमारी छुआछूत की,
मानव का संताप बनी।।

सामाजिक दूरी अपनाना, हम
सबकी मजबूरी है।
जिंदा रहना है गर हमको, दूरी
बहुत जरूरी है।।

बारबार चेहरा मत छूना, हाथों
को साबुन से धोना।
मास्क लगा लेना चेहरे पर, तब
घर से बाहर होना।।

लांघ नहीं लक्ष्मण रेखा को,
यह दरकार सुनी होगी।
सीमा लाँघ गई सीता की,
करुण पुकार सुनी होगी।।

एक जंग कोरोना से, घर बैठे
ही लड़नी होगी।
घर में रह कर मानवता की,
रक्षा अब करनी होगी।।

सेतराम साहू
पिथौरा (छत्तीसगढ़)।
www.womenexpress.in

अनकही बातें

कभी कभी बहुत बड़ा,सवाल
बन जाती हैं
दुश्मनों को तो ये बहुत ही,
हैरान कर जाती हैं द्य

किसी गलत इंसान के ,लिए
अपने शब्द दोस्तो
जाया मत किया करो, जो
समझ ही ना पाए
उसको ज्यादा, समझाया
मत करो
कई बार ये चुप्पी, बहुत बड़ा
चमत्कार, है करती
टल जाती है लड़ाई ,जो कभी
ना हो टलती

अनकहे अल्फ़ाज़ कोई कोई
,ही है समझता, नहीं तो
बुरा जाने ये कि ये कमजोर
मुझ से डरता

चुप्पी में बहुत से ,गुण
छुपे होते हैं
लेकिन, बहुत होंगे कम जो
सब सह के चुप रहते हैं

अनकही बातें तोड़ देती हैं
मनुष्य को ,अंदर तक
ये वो क्षमता है,जो तोड़ देती है
पत्थर तक

करमजीत कौर
मुक्तसर साहिब, पंजाब ।
www.womenexpress.in

आसमान भी होता है बुढ़ापा

गुज़रा ज़माना नहीं, वर्तमान भी
होता है बुढ़ापा,
सचमुच में चाहतें , अरमान
भी होता है बुढ़ापा ।

केवल पीड़ा, उपेक्षा, दर्द,
ग़म ही नहीं,
असीमित, अथाह सम्मान भी
होता है बुढ़ापा ।

ज़िन्दगी भर के समेटे हुए
क़ीमती अनुभव,
गौरव से तना हुआ आसमान
भी होता है बुढ़ापा।
पद, हैसियत, दौलत, रुतबा था
भले ही,
पर सहजसरल, मधुर, आसान
भी होता है बुढ़ापा।

बेटाबहू, बेटीदामाद, नातीपोतों
के संग,
समृध्द, उन्नत ख़ानदान भी
होता है बुढ़ापा ।

मंगलभाव, शुभकामनाएं,
आशीष, और दुआएं,
सच में इक पूरा समुन्नत
शुभगान भी होता है बुढ़ापा।

घुटन, हताशा, एकाकीपन,
अवसाद और मायूसी,
गीली आँखें भरा पतन,
अवसान भी होता है बुढ़ापा ।

संगीसाथी,रिश्तेनाते,अपनेपराये
मिल जायें यदि,
तो खुशियों से सराबोर महकता
सहगान भी होता है बुढ़ापा।

प्रो.शरद नारायण खरे
मंडला (मध्यप्रदेश)।
www.womenexpress.in

दया करो अब हे भगवान

दया करो अब हे भगवान
कष्टों से कर दो मुक्त ये जहान
करुणा और दया की तुम पहचान
तुम ही सर्जक और पालक महान।।
बने हैं सब एक दूजे के बैरी
ना समझे रिश्तों की भेरी
अपनापन हो गई बात पुरानी
अवसर वाद पर टिकी है
दुनिया सारी।।
दुखियों के दुख पर उपजे करुणा
हिय फिर कर दो ऐसे मानव का
त्याग, प्रेम और समर्पण का
दे दो ज्ञान
दया और करुणा बन जाए
मनुज का मान।।
फैली चहुं ओर विपदा भारी
कर रही क्रंदन सृष्टि सारी
बरसा दो अब अपनी कृपा की धारी

भारती यादव
रायपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए

खाली कंधों पर थोड़ा सा भार चाहिए
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए ।

जेब में पैसे नहीं है डिग्री लिए फिरते हैं
दिनों दिन अपनी नजरों में गिरते हैं
कामयाबी के अब खुले द्वार चाहिए
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए ।

हुनर की कमी नहीं भारत के
इन सड़कों पर
दुनिया बदल देंगे भरोसा करो
इन बच्चों पर
लिखते लिखते मेरी कलम तक
घिस गई यार
नौकरी कैसे मिले जब नौकरी
ही बिक गई
नौकरी की प्रक्रिया में अब
सुधार चाहिए
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए ।।

दिन रात एक कर के मेहनत
बहुत करता हूँ
सूखी रोटी खाकर भी चैन से
पेट भरता हूँ
भष्टाचार से लोग खूब नौकरी
पा रहे है
रिश्वत की कमाई से खूब मजे
उड़ा रहे हैं
नौकरी पाने के लिए यहां
औजार चाहिए
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए।।

सारिका जागृति
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

प्रेम की परिभाषा

सीता के लिए राम का वन
वन भटकना प्रेम है,
या राधा का कृष्ण के वियोग में
तड़पना प्रेम है..

मीरा का हंसकर कृष्ण भक्ति
में विष पी जाना प्रेम है,
या राम का भीलनी के जूठे बेर
खा जाना प्रेम है..

सुदामा के लिए नंगे पाँव प्रभु
का दौड़ जाना प्रेम है,
या माधव का द्वारकापुरी से
द्रोपदी की लाज बचाना प्रेम है..
एक बिंदु पर ठहर जाना प्रेम है,
या साहिल के लिए लहरों का
मचल जाना प्रेम है..

चाँद के आने पर तारों का
निकल आना प्रेम है,
या नदी का दरिया और दरिया
का नदी हो जाना प्रेम है..

सुबह की पहली धूप में
चिड़ियों का चहचहाना प्रेम है,
या नदी का समंदर मे मिल
जाना प्रेम है,

उसे हरदम अपने क़रीब पाना
प्रेम है,
या इसी एहसास में सदियों का
गुज़र जाना प्रेम है .!!

आभा सिंह
लखनऊ, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

हर पल यहाँ जी भर जिओ

ज़िंदगी के तमस सभर पहलू को नज़र अंदाज़ करके कायनात के हर ज़र्रे से गूँजायमान होती रानाइयां को स्पर्श करो, ज़िंदगी की मखमली तान को महसूस करो। एक सी शुष्क लय ओर धीमी रफ़्तार में जो कट जाए ज़िंदगी तो मज़ा ही क्या है। आड़ेटेढ़े उतारचढ़ाव पर ढ़लती, फ़िसलती, पड़ती, जुझती ज़िंदगी का मज़ा ही कुछ ओर है। ज़िंदगी एक दिपदिपाता इन्द्रधनुषी आलोक है क्यूँ ना ज़िंदगी के सारे रंगों का लुत्फ़ उठाया जाएँ। सरल सहज संगमरमर सी स्मूद बिना कोई किस्से कहानियों वाली ज़िंदगी से इंसान थक जाता है, बोर हो जाता है। जिनको कहने लिखने के लिए अपने अहसास नहीं होते, स्मृतियाँ नहीं होती उसकी बस कट रही होती है। ज़िंदगी में साँसे भरता है संघर्ष, ओर जीने का हौसला देती है चुनौतियाँ। जब इंसान पहली बार रोता है तब से लेकर उसकी आँखें बंद होने पर लोग रोते है तब तक का एक सफ़र होता है। अगर ये सफ़र मीठे रसगुल्ले सा रहा तो बैठे रहेंगे हम जो जितना है उस में संतोष मानकर। बियर वाला हल्का नहीं व्हिस्की वाला गहरा नशा होना चाहिए ज़िंदगी को मुट्ठी में करने का खूवाहिशों की रत्नमंजूषा लेकर जिओ। ज़िंदगी के मेले में अपनी एक खास जगह बनाओ। हर अधूरप को पूर्णता में बदलने के लिए मेहनत की चाबी काफ़ी है, एक उद्देश्य होना चाहिए, कोई लक्ष्य होना चाहिए। परिणाम महेत्व नहीं रखता हमने कितना जोखिम उठाया ये मायने रखता है।

छोटी सी सफ़लता पर इतराते खुद को सफ़ल समझ लेना समझदारी नहीं। अगर सच में आसमान को छूना है तो चलते रहो, दौड़ते रहो, लड़ते रहो हर पड़ाव को परवाज़ में भरते। हो सकता है थकान लगे, निराशा जन्में, बहुत सारे प्रयत्न असफ़ल भी रहे। टांग खिंचने वालों की कमी नहीं वो भी आपकी राहों में रोड़ा बनें। कुछ अपने हाथ देकर उपर उठाने आगे भी आए। आप मंज़िल की परिधि तय करके लक्ष्य को लिपटे उसी क्षितिज पर अड़ग रह कर बने रहो। बस आपको पता होना चाहिए आपको क्या पाना है। और जो पाना है वो श्रेष्ठ है, सत्य है, योग्य है इतना आत्मविश्वास होना चाहिए। कुछ मतलब कुछ भी नामुमकिन नहीं। कड़ी मेहनत का कोई पर्याय नहीं, बुलंद हौसले को जीतने का मिज़ाज दो हर फ़तेह कदम चूमेगी। क्यूँ बेरंग सी फ़िकी चाय सी ज़िंदगी जीनी है। आने वाली नस्लों को पढ़ने के लिए एक खुमारी भरी दास्तान लिख कर सफ़र को खत्म करें उसे ज़िंदगी कहते है। प्रामाणिक, मुखर और ज़िंदादिल बनकर नग्में सी गुनगुनाते ज़िंदगी को सहज बनाना चाहिए। ज़िंदगी हमें बहुत कुछ देती है खुशियाँ, गम, अनुभव, आँसू, पीड़ा, अफ़सोस, ओर नासूर से खून टपकते घाव इन सबको अपने संतान समझकर अपना लो। मजबूर कर दो ज़िंदगी को इतना की ज़िंदगी खुद आपको जिए। चटपटे चाट सी अर्थसभर ज़िंदगी जिओ वरना बेमतलब सी गुमनाम ज़िंदगी जीने का अर्थ ही क्या है ज़िंदगी की दावत पर जन्म ले ही लिया है तो क्यूँ ना उसके हर जायके की लज़्जत ली जाएं।।

भावना ठाकर
भावु, बेंगुलूरु ।
www.womenexpress.in

मार देती है अंदर से गरीबी

मार देती है अंदर से गरीबी,
किस्मत में जिसकी
होती है खराबी।
कौन सुनता है लाचार गरीबों की,
महंगा पड़ता है दो जून
रोटी को कमाना
भूख और हालात से नहीं
सुधरते इनके काज,
मार देती है अंदर से गरीबी।।
कभी सरकार,तो कभी समाज,
लूट लेता है इनके परवाज़।
गरीबी में तंग आकर यूं मायूस होते
सपने पूरे न हो तो ना ये लड़ पाते।
कभी वर्तमान और भविष्य में उलझे
गरीब की कोई जात नहीं समझे।
चोरी,चाकरी बहुत करवाती गरीबी,
कभी ख्वाबों को बेच
भी देती गरीबी।
अपने अरमानों को भूलाकर
जीती गरीबी
दुःख दर्द को बिसरा कर
जीवन जीती गरीबी।।
धूप छांव की पनाह नहीं पाती
है गरीबी
अपने जख्मों को यूं जमाने से
छिपाती गरीबी।

रेखा पारंगी
बिसलपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

ऐसी होती है बेटियां

उनका जन्मना ,एक आम बात होती है ।
ना कोई उत्सव , ना ही
बधाई पार्टी होती है।
घास फूस की तरह,
पलती बढ़ती है, पर इनमें कुछ,
खास बात होती है ।
खुल कर ना हंसती है,
ना ही बोलती है ।
पर इनकी आंखों में,
एक खास चमक होती है
मीठी पहेली, मां की सहेली,
चांद का मुखड़ा होती है
बसती है जिसके में जान,
वह बाबुल के दिल का टुकड़ा
होती है ।
कोई भी दर्द हो , हर लेती हैं।
ग़म जमाने का, सीने में भर लेती है।
रखती है हर पल ,
ख्याल अपने बाबुल का ।
मां जैसी ,बातें समझा देती है ।
बाबुल की जान,
पति की मान होती है।
दो दो घर होते हुए,
फिर भी मेहमान होती है ।
खुद के भावों को मन में
दबाए, चली जाती है ससुराल ।
आंखों में आंसू लिए ,
होठों से मुस्कुराती है।
कोई समझ ना ले ,
दर्दे दिल का हाल ।
ऐसी होती है बेटियां

मधुलिका राय
गाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

एक नजर

उत्तराखंड कोऑपरेटिव बैंक के शुद्ध लाभ में 28% की वृद्धि

ऋषिकेश। उत्तराखंड कोऑपरेटिव बैंक के सचिव एसएस राणा ने कहा है कि वर्ष 2019-20 में बैंक को 28 प्रतिशत शुद्ध लाभ की वृद्धि हुई है। उन्होंने यह जानकारी लक्ष्मण झूला मार्ग पर स्थित बैंक की मुख्य शाखा में आयोजित बैठक में दी। बैंक के अध्यक्ष, पदाधिकारियों और कर्मियों ने इस पर हर्ष व्यक्त किया है। बैठक की अध्यक्षता सीएम सेमवाल ने की। राणा ने बताया कि वर्ष 2019 20 में बैंक की जमा पूंजी में 450 लाख रुपये और ऋण में 253.25 लाख रुपये की वृद्धि हुई है। बैंक का एनपीए 2.47 प्रतिशत और कैश रिजर्व एशिस्ट रेशियो 16.42 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष कोरोना संक्रमण के कारण लाभ के निस्तारण पर रोक लगाई गई है। इस कारण लाभांश का वितरण नहीं किया जा सकेगा। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए 683 लाख रुपये का बजट प्रस्तावित है। इस वर्ष के प्रस्तावित बजट 584 लाख रुपये में से 580 लाख रुपये के वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त किया गया है। बैठक में बैंक उपाध्यक्ष विनोद सेंगर, केएस कैंतुरा, केएस नेगी, भूपेंद्र सिंह, रामेश उनियाल, पुष्पा पुंडीर, मधुमती बिंजौला, रुपराम भट्ट, डीएस बुटोला, बृजपाल राणा, पूरण लाल, करण सिंह बर्त्वाल, पीके तिवारी, अक्षयराज, पवन सेठी, भगवती प्रसाद, जसपाल भंडारी, प्यारे लाल आदि उपस्थित रहे।

बायोमास पैलेट्स की खरीद करेगी एनटीपीसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम एवं देश की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादक राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम(एनटीपीसी) अपने संयत्रों कोफायरिंग के लिए बायोमास (पराली) पैलेट्स की खरीद करेगी और इसके लिए घरेलू प्रतिस्पर्धी निविदा (डीसीबी) पर निविदाएं आमंत्रित की गई है। एनटीपीसी के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि फसल के अवशेषों को जलाने से होने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए यह कदम उठाया गया है। एनटीपीसी ने वर्तमान वर्ष में अपने 17 विद्युत संयंत्रों में 50 लाख टन पैलेट्स की खपत होने का अनुमान लगाया है। इन संयंत्रों में एनटीपीसी कोरबा (छत्तीसगढ़), एनटीपीसी सीपत (छत्तीसगढ़),एनटीपीसी फरक्का (पश्चिम बंगाल), एनटीपीसी दादरी (उत्तर प्रदेश), एनटीपीसी कुड्गी (कर्नाटक) और एनटीपीसी रिहंद (उत्तर प्रदेश) शामिल हैं। उन्होंने बताया कि एनटीपीसी ने बायोमास (पराली) कोफायरिंग का यह प्रयोग पहली बार 2017 में पायलट आधार पर एनटीपीसी दादरी प्लांट में किया था और इस दौरान कोयले की कुछ मात्रा के स्थान पर पैलेट बेस्ड ईंधन का उपयोग किया गया था। इस अनूठी पहल के सफल कार्यान्वयन के बाद एनटीपीसी ने अपने 17 अत्याधुनिक संयंत्रों में मॉडल को दोहराने की योजना बनाई है। इसके लिए एसआरएम पोर्टल पर ईनिविदा के माध्यम से निविदाएं प्रस्तुत की जा सकती हैं। रोजगार के अवसरों के साथसाथ बायोमास के लिए आपूर्ति श्रृंखला बनाने में मदद मिलेगी।

आर्थिक विकास, पर्यटन व रोजगार के लिए पूर्वोत्तर में शांति जरूरी

गृहमंत्री अमित शाह ने डेस्टिनेशन नॉर्थ ईस्ट महोत्सव का किया उद्घाटन

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली 27 सितम्बर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज वर्चुअल माध्यम से डेस्टिनेशन नॉर्थ ईस्ट 2020 का उद्घाटन किया।केंद्रीय गृहमंत्री पूर्वोत्तर परिषद के अध्यक्ष भी हैं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और पूर्वोत्तर के आठों राज्यों के मुख्यमंत्री भी उपस्थित थे। अमित शाह ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य, लोक संस्कृति और कला से भरपूर पूर्वोत्तर विश्व पर्यटन का एक प्रमुख केंद्र बनने में सक्षम है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत के पसंदीदा पर्यटन और व्यावसायिक स्थलों में से एक के रूप में उभरेगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 30 सितंबर तक चलने वाले 'डेस्टिनेशन नॉर्थ ईस्ट 2020'का उद्देश्य पूर्वोत्तर के पर्यटनस्थलों के साथसाथ देश की विभिन्न संस्कृतियों का एक दूसरे के साथ परिचय कराना है और इसके माध्यम से पूरा भारत भी नॉर्थ ईस्ट की संस्कृति से परिचित होगा।

अमित शाह ने कहा कि उन्होंनें कई राज्यों, देशों के पर्यटन स्थल देखे हैं लेकिन जो खूबसूरती नॉर्थ ईस्ट के अंदर देखी है शायद ही कहीं देखने को मिले। यहाँ की मनोहरी सुंदरता का परिदृश्य, अनंत विशालता का मंत्र देने वाली स्थानीय आबादी का एक अद्भुत मिश्रण पूरी दुनिया को एक संदेश देता है। पूर्वोत्तर भारत का गहना है, उसके बिना भारतीय संस्कृति अधूरी हैं।अगला समारोह अपने चुनाव क्षेत्र गांधीनगर में आयोजित करने का निमंत्रण देते हुए श्री अमित

शाह ने कहा कि इससे पूर्वोत्तर के लोग गुजरात की संस्कृति और गुजरात के लोग पूर्वोत्तर की संस्कृति से परिचित होंगे। अमित शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर के आर्थिक विकास और पर्यटन तथा रोजगार को बढ़ावादेने के लिए नार्थ ईस्ट में शांति बहुत जरूरी है। पूर्वोत्तर जो कभी आतंकवाद के कारण सुर्खियों में रहता था,मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद साढ़े 6 साल में उद्योगों के विकास और पर्यटन के बढ़ते अवसरों के कारण देश भर में चर्चा में है। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर में शांति स्थापना के लिए बहुत काम हुए हैं। बांग्लादेश सीमा समझौता, मणिपुर का ब्लाकेड, बोडो समझौता और 8 उग्रवादी गुटों के 641 कैडर समेत हजारों उग्रवादियों द्वारा आत्मसमर्पण केंद्र की मोदी सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि है।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी जी पूर्वोत्तर के 30 से ज्यादा दौरे कर चुके हैं, आजादी के बाद वहसबसे अधिक नॉर्थ ईस्ट जाने वाले प्रधानमंत्री हैं। अमित शाह ने कहा कि धन के बिना विकास संभव नहीं है। पहले उत्तरपूर्व के विकास के लिए योजनाएँ तो बनाई जाती थीं मगर इनके लिए आवंटित राशि बहुत कम होती थी। 14वें वित्त आयोग ने पूर्वोत्तर के लिए आवंटन में 251 प्रतिशत की बढ़ोतरी करते हुए 3,13,375 करोड़ रुपये दिये जबकि इससे पहले पिछली सरकार द्वारा 13वें वित्त आयोग ने सिर्फ 89,168करोड़ रुपये दिए थे। शाह ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने विकास का सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी स्वरूप अपनाते हुए पूर्वोत्तर परिषद के बजट का 21 प्रतिशत पिछड़े जिलों, गाँवों,पिछड़े क्षेत्रों और विकास से वंचित समुदाय पर खर्च करने का फैसला किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर के राज्यों को आपस में जोड़ने और पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने के लिए रेल, सड़क और हवाई क्षेत्र के विकास की दिशा में बहुत बड़ा प्रयास किया है। इसके तहत 15,088 करोड़ रूपये की 6 रेल परियोजनाओं को पूरा कर लिया गया है । साथ ही हवाई अड्डों के विकास पर 553 करोड़ रुपये और 869 किलोमीटर की 19 सड़क परियोजनाओं पर लगभग 10,000 करोड़ खर्च किए जाएँगे। अमित शाह ने कहा कि कोरोना काल में मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर के लोगों को दवाईयां, डाक्टरों को टेलीकाफ्रेंस के माध्यम से प्रशिक्षण और जटिल केसों का एम्स के डाक्टरों द्वारा टेलीकाफ्रेंस के जरिये इलाज़ समेत सभी स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की।

शहीद भगत सिंह जयंती और डॉ. अरुण धीमान के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर आयोजित

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

कुरुक्षेत्र। भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के महानायक एवं शहीद भगत सिंह जयंती और प्रयास संस्था के पदाधिकारी डॉ. अरुण धीमान के जन्मदिन पर राष्ट्रपति पुलिस पदक से विभूषित राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 304वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में स्टार रक्तदाता डॉ. अरुण धीमान मुख्यातिथि के रूप में पधारे जबकि हरियाणा पुलिस रोटी बैंक के उप प्रधान एवं प्रेरणा समिति हरियाणा के प्रांतीय महासचिव डॉ. भारतेन्दु हरीश ने शिविर की अध्यक्षता की. समाजसेवी मनोज गुप्ता समाजसेवी प्रशांत शर्मा और स्टार रक्तदाता नरेश रोहिल्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. शिविर के मुख्य संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सभी अतिथियों और रक्तदाताओं का अभिनन्दन करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग से यह 304 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर पूर्ण हो चुके हैं जिससे थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को रक्त उपलब्ध हो रहा है. उन द्वारा अब तक 12974 इकाई रक्त के माध्यम से 39000 से अधिक लोगों को लाभ

मिला है और वे स्वयं 132 बार रक्तदान और 58 बार प्लेटलेट्स दे चुके हैं. उन्होंने कहा कि आज शहीद भगत सिंह जयंती पर यह शिविर युवाओं के लिए उत्साह के केंद्र रहा है। 21वीं बार रक्तदान किया और कहा कि इससे अधिक पुण्य का कार्य कोई और नहीं हो सकता. डॉ. भारतेन्दु हरीश ने शहीद भगत सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे युवाओं के लिए प्रेरणाश्रोत हैं. वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीकी अधिकारी नरेश सैनी, राम कुमार, सीमा और मनीष सिंगला ने रक्त संग्रह किया. शिविर में इन्होंने किया रक्तदान राजेश कुमार, मुख्यातिथि डॉ. अरुण धीमान ने जन्म दिन पर 21वीं बार, सतीश कुमार, देसराज, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, नवीन वर्मा 23वीं बार, सतीश सैनी, नरेश, भारत भूषण, संजय कुमार, विजय कुमार, संदीप कुमार, संजय कुमार, सुखबीर, संजू, सचिन, सुनील कुमार, अभिषेक धीमान, राजेश कुमार, मनोज गुप्ता, विकास सिंगला, अमित, नरेश रोहिल्ला 23वीं बार और पवन कुमार आदि।

एफपीआई ने सितंबर में भारतीय बाजारों से 476 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में अब तक भारतीय बाजारों से 476 करोड़ रुपये की निकासी की है। यूरोप और अन्य देशों में कोरोना वायरस संक्रमण फिर उभरने के बीच यह उनके सतर्क रुख को दर्शाता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से 25 सितंबर के दौरान शेयरों से शुद्ध रूप से 4,016 करोड़ रुपये निकाले। इस दौरान उन्होंने ऋण या बांड बाजार में 3,540 करोड़ रुपये डाले। इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 476 करोड़ रुपये रही। एफपीआई लगातार तीन महीने (जून से अगस्त) तक शुद्ध लिवाल रहे थे। अगस्त में उन्होंने भारतीय बाजारों में शुद्ध रूप से 46,532 करोड़ रुपये का निवेश किया था। जुलाई में उनका निवेश 3,301 करोड़ रुपये और जून में 24,053 करोड़ रुपये रहा था। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशकप्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''यूरोप और अन्य देशों में कोरोना वायरस संक्रमण बढ़ने और प्रभावित क्षेत्रों में नए सिरे से संभावित लॉकडाउन की आशंका से एफपीआई सतर्क रुख अपना रहे हैं।''

अनुमोदना करने से भी पुण्य मिलता हैः साध्वी रत्नत्रया

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

बेंगलुरु। यहां किलारी रोड स्थित गुरु राजेन्द्र भवन में अखिल भारतीय राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद बेंगलुरु ने साध्वी रत्नत्रया, साध्वी तत्वत्रया एवं साध्वी गोयमरत्ना आदि के दर्शन वंदन किये। इस अवसर पर साध्वी रत्नत्रया ने प्रार्थना से प्रवचन का शुभारंभ किया। उन्होंने पुण्य की अनुमोदना की सीख देते हुए कहा कि जीवन मे पुण्य कमाना चाहिए। मनुष्य के हर कार्य की अनुमोदना करने से पुण्य बढता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। उन्होंने शालीभद्र के पुण्य का उदाहरण देते हुए यह भी कहा कि पुण्य चार प्रकार के होते हैं। परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश हिराणी ने कहा, यह चातुर्मास धर्ममय, तपमय व आराधनमय हो रहा है। इस चातुर्मास में कई अनुष्ठान हुए। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर परिषद की जानकारी दी। परिषद के बेंगलूरु अध्यक्ष डूंगरमल चोपड़ा ने बताया कि परिषद का गठन 19 मार्च 1974 को राजेन्द्र सुरी ज्ञान मन्दिर बीवीके आएंगर रोड में हुआ। इसमें अध्यक्ष छोगालाल संघवी, उपाध्यक्ष घेवरचंद भंसाली, मंत्री तगराज हिराणी, सह मंत्री भंवरलाल चोपड़ा, कोषाध्यक्ष ओटमल के साथ 21 कार्यकारिणी सदस्यों के

साथ हुआ। परिषद ने गोशाला में गायों की सेवा, मानव सेवा, कोरोना काल के दौरान पक्षियों को दाना, जरूरतमंदों की सेवा, पौधरोपण तथा अनेक कार्य हाथ में लिए, जिन्हें परिषद के सदस्यों ने परस्पर सहयोग से पूरा किया। इस दौरान अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश हिराणी, दक्षिण प्रांतीय अध्यक्ष बाबूलाल सवाणी, पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद वेदमूथा, धर्मप्रचार मंत्री मांगीलाल वेदमूथा, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष डूंगरमल चोपड़ा, उपाध्यक्ष हेमराज जैन, मंत्री नेमीचंद संघवी, सहमंत्री दिलीप कांकरिया, कोषाध्यक्ष रमेश मयूर सदस्य त्रिलोक भंडारी, रिखब सोलंकी, विजयराज फोलामूथा, चम्पालाल निमानी, देवीचंद गांधीमूथा, प्रकाश बालर, चम्पालाल कांकरिया, लेखराज दोसी, अशोक, हनुमान कांकरिया तथा राजेन्द्र भवन ट्रस्टी मेघराज भंसाली आदि ने साध्वीवृन्द के दर्शन किए।

बिशेश्वरगंज परियोजना कार्यालय पर उपजिलाधिकारी ने वितरण किया स्वच्छता किट, किया पौध रोपण

बहराइच । बिशेश्वर गंज जनपद के बिशेश्वरगंज अंतर्गत बाल विकास परियोजना कार्यालय पर उपजिलाधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती की अध्यक्षता में कार्यालय परिसर में ब्लाक समिति की बैठक हुई जिसमे स्वास्थ्य शिक्षा पंचायत पीरामल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के साथ सीडीपीओ दीपा गुप्ता ने प्रतिभाग किया। बैठक में पोषण , टीकाकरण ,सफाई, कोरोना समय में विभिन्न विभागों के समन्वय पर चर्चा की गई । बैठक के उपरांत उपजिलधिकारी द्वारा कार्यालय परिसर में गुलाचीन का पौध रोपण किया गया तथा तीन किशोरियों बीना गरिमा डाली को स्वच्छता किट भी उप जिलधिकारी द्वारा दिया गया। प्रतिभागी अधिकारियों में मौके पर एडीओ आई एस बी नंद कुमार पांडेय, खंड शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिंह, बीपीएम ममता मिश्रा, नीति आयोग / पीरामल फाउंडेशन सत्येंद्र सिंह सहित मुख्य सेविकाएँ मौजूद रही ।

142 दिन बाद 29 सितंबर से चलेंगे सीधी चाल चलेंगे शनिः अनीष व्यास

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

जयपुर। न्याय के देवता शनि देव 29 सितंबर से अपनी चाल बदलने जा रहे हैं। इससे पहले 23 सितंबर को राहुकेतु का राशि परिवर्तन हुआ था। सितंबर का महीना कई ग्रहों के राशि परिवर्तन और चाल बदलने के लिहाज से काफी अहम रहा। अब सितंबर महीने की समाप्ति पर क्रूर ग्रह माने जाने वाले शनि वक्री से मार्गी होने जा रहे हैं। ज्योतिष में शनि के राशि परिवर्तन और मार्गी या वक्री होने का विशेष महत्व होता है क्योंकि शनि की चाल में यह बदलाव कई राशियों के जातकों के लिए आर्थिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक, ज्योतिषाचार्य एवं विश्व विख्यात भविष्यवक्ता अनीष व्यास ने बताया कि यह परिवर्तन करियर, रुपएपैसे और पारिवारिक स्थिति के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होगा। शनि सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह माने गए हैं। शनि एक राशि से दूसरी राशि में जाने

के लिए करीब ढ़ाई वर्षों का समय लेते हैं।

शनि 142 दिन बाद यानी 29 सितंबर को सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर वक्री से मार्गी हो रहे हैं। शनि के मार्गी होने से जिस राशि पर भी शनि के प्रभाव थे, वे काफी हद तक कम हो जाएंगे। उल्लेखनीय है कि शनि 11 मई 2020 को वर्की हुए थे। इससे पहले 24 जनवरी को शनि ने धनु से मकर राशि में गोचर किया था। शनि का मार्गी होना एक बड़ी घटना है। शनि के मार्गी होने से मिथुन, कन्या, कर्क, धनु और वृश्चिक राशि वालों का फायदा होगा। शनि ढ़ाई साल में एक राशि से दूसरी राशि में जाते हैं। इससे शनि की साढ़े साती और ढ़ैया शुरू होती है। विश्वविख्यात भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि ज्योतिषशास्त्र में वक्री का अर्थ उल्टा और मार्गी का अर्थ सीधी चाल चलना होता है। वक्री अवस्था में ज्यादतर ग्रह नकारात्मक प्रभाव डालते हैं जबकि मार्गी होने पर जातकों के जीवन पर इसका प्रभाव सकारात्मक रूप से पड़ता है।

घर घर भ्रमण कर अभियान को सफल बनायें आशाः एसडीएम पयागपुर

बहराइच । पयागपुर क्षेत्र में 28 सितंबर से सात अक्तूबर तक राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस अभियान चलाया जाएगा। वहीं 1 से 31 अक्तूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण दस्तक अभियान भी चलेगा। दोनों अभियान की सफलता के लिए शनिवार को सीएचसी पयागपुर के मंत्रणा सभागार में एसडीएम पयागपुर श्री केपी भारती ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान एसडीएम ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अधीक्षक सीएचसी पयागपुर डॉ एनबी जायसवाल नें कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान आशा प्रत्येक घर के सभी 01 से 19 वर्ष तक के बच्चों व युवाओं को कृमि संक्रमण से बचाने के लिए 28 सितंबर से 07 अक्तूबर तक राष्ट्रीय कृमि मुक्त दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए आशाओ को प्रशिक्षित कर आवश्यक लाजिस्टिक व दवाएं उपलब्ध करायी जा रही है। जिसमें पेट के कीड़ों को मारने की दवा 01 से 02 वर्ष के बच्चों को 200 मिलीग्राम यानी आधी गोली एवं 02 से 19 वर्ष के बच्चों और युवाओं को 400 मिलीग्राम की एक गोली खिलाई जायेगी। ईट भट्टा आदि पर कार्य करने वाले श्रमिक एवं घुमंतु लाभार्थियों के सभी बालक व बालिकाओं को एल्बेंडाजॉल की गोली देने की रूपरेखा तैयार की गई है जिससे कोई भी बच्चा अछूता न रहे। आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर घर जाकर बच्चों को दवा खिलायेंगी। जिसकी रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध कराई जाएगी।एसडीएम ने कहा सभी संबंधित विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से कार्यक्रम को सफल बनायें।बीपीएम पयागपुर अनुपम शुक्ल ने बताया कि 01 से 31 अक्तूबर तक संचारी रोग नियंत्रण दस्तक अभियान चलाया जाएगा।

बसपा से जुड़ने के लिए सतीश मिश्रा ने ब्राह्मणों में फूंका बिगूल

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी/टुंडला। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश मिश्रा ने टूंडला में उपचुनाव के मद्देनजर सत्कार मैरिज हॉल में आयोजित सम्मेलन में रविवार को केंद्र व प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। कहा, ना कृषि विधेयक किसानों की नहीं बल्कि पूंजीपतियों का हितैषी है। श्री मिश्रा रविवार को टूंडला विस सीट के उपचुनाव तैयारी के बीच बसपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य सतीश मिश्रा ने बिकरू कांड का नाम लिए बगैर कहा विकास दुबे के एंकाउंटर एक सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अराजकता की सारी सीमाएं पार हो चुकी हैं। महिलाओं के साथ बलात्कार, छेड़खानी तो हो ही रही है साथ ही दिनदहाड़े हत्याएं होना आम बात हो गई है। ब्राह्मणों की खुलेआम हत्याएं हो रही हैं। पुलिस एनकाउंटर के नाम पर ब्राह्मणों की हत्या कर रही है। ब्राह्मण अधिकारियों का उत्पीड़न हो रहा है। सात दिन पूर्व ब्याह कर आई लड़की को परेशान किया जा रहा है। एक नाबालिग को पुलिस ने एनकाउंटर दिखाकर मार दिया। चुन चुन कर ब्राह्मण परेशान किये जा रहे हैं। फीरोजाबाद में भी एक ब्राह्मण युवक की हत्या हुई, लेकिन अब तक हत्यारे फरार हैं। उन्होंने कहा कि आज समय की मांग है कि ब्राह्मण समाज एक बार फिर से उठ खड़ा हो। मिश्रा ने कहा कि ब्राह्मण बुद्धजीवी होता है और बुद्धि से काम लेते हैं।

हाथ में बंदूक गोली हो, परंतु आप अपनी वाणी और दिमाग से काम लेते हैं। आज समय आ गया है कि आप अपने दिमाग का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि 2002 में पांच ब्राह्मण समाज के लोग ही चुनकर विधानसभा पहुंचे थे। उसमें भी दो बसपा के थे। मायावती ने उन्हें महाधिवक्ता बनाया। जब मायाती ने इस्तीफा दिया तो भाजपा की केन्द्र सरकार ने उन्हें फंसाने के तमाम कुचक्र रचे और उन्हें तरहतरह से डराने का काम किया। परंतु भाजपा शायद यह भूल जाती है कि मायावती कभी किसी से नहीं डरती। उन्होंने कहा कि उसके बाद प्रदेश में सपा की सरकार आई। जिसने भी ब्राह्मण समाज के उत्पीड़न में कोई कसर नहीं छोड़ी।

बिहार में NDRF की 17 टीमें बाढ़ से निपटने में मुस्तैद

गोपलगंज और मोतिहारी जिले में किया रेस्क्यू ऑपरेशन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

पटना 27 सितम्बर। बिहार राज्य में बाढ़ आपदा से निपटने के लिए वर्तमान में बिहटा (पटना) स्थित 9वीं बटालियन एनडीआरएफ की कुल 17 टीमें राज्य के 12 जिलों में मुस्तैदी से तैनात है।

0303 टीमें पटना और गोपालगंज जिले में, 02 टीमें पूर्वी चम्पारण जिला में, 0101 टीम क्रमशः पश्चिम चम्पारण, सारण, सुपौल, कटिहार, किसनगंज, मुजफ्फरपुर, बक्सर, भोजपुर और वैशाली जिले में तैनात है ।

9वीं वाहिनी एनडीआरएफ के कमान्डेंट विजय सिन्हा ने बताया कि रविवार को स्थानीय प्रशासन के समन्वय से टीम कमान्डर नितेश कुमार के नेतृत्व में एनडीआरएफ की टीम गोपालगंज जिले के बाढ़ प्रभावित बैकुण्ठपुर प्रखण्ड में तथा टीम कमान्डर राजन कुमार के नेतृत्व में एक टीम पूर्वी चम्पारण जिले के संग्रामपुर प्रखण्ड में रेस्क्यू ऑपरेशन किया। इस दौरान 300 से अधिक बाढ़ विभीषिका में फँसे लोगों को एनडीआरएफ के बचावकर्मियों ने मोटर बोट से सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाया। इसमें महिलाएं, वृद्ध, बच्चे, गर्भवती महिलाएं और मरीज शामिल थे। उन्होंने आगे बताया कि स्थानीय प्रशासन के समन्वय से बाढ़ आपदा में फँसे लोगों को त्वरित मदद पहुँचाने में हमारे एनडीआरएफ के बचावकर्मी दिनरात तत्पर व तैयार है और अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कर रहे हैं। उन्होंने आगे जानकारी साझा करते हुए बताया कि बाढ़ राहत एवं बचाव ऑपरेशन के दौरान एनडीआरएफ के हमारे बचावकर्मी कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के सुरक्षात्मक दिशानिर्देश और प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कर रहे हैं।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारीः
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

'अटल भूजल योजना' के तहत अब तक खर्च हुए केवल 54 लाख रुपये

नई दिल्ली। देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन से जुड़ी 'अटल भूजल योजना' के लिए चालू वित्त वर्ष में 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए लेकिन अब तक सिर्फ 54 लाख रुपये ही खर्च हो पाए हैं। जल शक्ति राज्य मंत्री रतन लाल कटारिया ने लोकसभा में राजेंद्र अग्रवाल के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी । उन्होंने बताया कि यह योजना एक अप्रैल 2020 से सामुदायिक भागीदारी के साथ भूजल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन के लिए लागू की गई थी । कटारिया ने कहा, ''वित्त वर्ष 202021 के दौरान अटल भूजल योजना के लिए मंत्रालय ने 200 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं जो भौतिक/वित्तीय प्रगति के मद्देनजर संशोधन के अधीन हैं। इसमें से 54 लाख रुपये का अभी तक प्रयोग हो चुका है।'' मंत्री ने बताया कि इसके अतिरिक्त योजना के जमीनी क्रियान्वयन से जुड़ी प्रारंभिक गतिविधियों के पूरा हो जाने के बाद राज्यों को निधियों का आवंटन किया जाएगा। यह योजना 202021 से पांच वर्ष की अवधि तक जारी रहेगी। गौरतलब है कि सरकार ने मार्च 2018 में 'अटल भूजल योजना' का प्रस्ताव किया था जिसका लक्ष्य अत्यधिक भूजल दोहन वाले सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में सामुदायिक हिस्सेदारी के साथ स्थायी भूजल प्रबंधन करने का है।

उप्र में चलती बस में महिला से सामूहिक दुष्कर्म

मेरठ । मेरठ में एक चलती बस में शुक्रवार की पूरी रात एक महिला यात्री के साथ कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, दुष्कर्म के बाद महिला यात्री को बस से बाहर फेंक दिया गया। पीड़िता शनिवार को मेरठ में दिल्ली रोड पर बेहोशी की हालत में पड़ी मिली और उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसके साथ दर्दनाक घटना होने की जानकारी सामने आई। उत्तर प्रदेश में पिछले एक महीने में इस तरह की यह तीसरी घटना है, जब दिल्ली जाने वाली एक महिला यात्री के साथ चलती बस में कर्मचारियों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार रात भैसाली बस स्टैंड से बस में सवार हुई थी। बस में उसे कोल्ड ड्रिंक दी गई थी, जिसमें जाहिर तौर पर कुछ मिलाया गया था, जिसे पीने के बाद वह होश खो बैठी और पूरी रात ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता मेरठ जिले के सरधाना शहर की मूल निवासी है। पुलिस ने महिला का बयान दर्ज कर उसे मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। मेरठ के एसएसपी अजय साहनी ने घटना की पुष्टि की और कहा कि दोषियों को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि वे सबूत जुटाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की मदद भी ले रहे हैं और उसकी मदद से दोषियों की पहचान करने की भी कोशिश कर रहे हैं।

उप्र: जेल में बंद विधायक के खिलाफ एक और एफआईआर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में जेल में बंद विधायक विजय मिश्रा के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की गई है। मिश्रा को संपत्ति हड़पने के मामले में 14 अगस्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। भदोही के एसपी आर.बी. सिंह ने कहा कि कौलापुर के ग्राम प्रधान ऊषा मिश्रा द्वारा की गई शिकायत पर गोपीगंज पुलिस ने जेल में बंद विधायक के खिलाफ आईपीसी की धारा 419, 420, 467, 468 और 471 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। इंस्पेक्टर कृष्णानंद राय ने कहा, 'ऊषा ने आरोप लगाया है कि जेल में बंद विधायक ने ग्रामीण विकास विभाग में विकास कार्यों की सिफारिश के लिए कुछ पत्र लिखने के लिए उनसे खाली लेटर पैड की मांग की थी। लेकिन उन्होंने उनका उपयोग उन पर लगे संपत्ति हड़पने के आरोप की उच्च स्तरीय जांच कराने के लिए राज्य मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखने में किया।' उसने ऐसी किसी सिफारिश पर हस्ताक्षर नहीं किया था और उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि जेल में बंद विधायक द्वारा उसके लेटर पैड का फिर से इस्तेमाल करने पर उसे अवैध माना जाना चाहिए।

बेंगलुरु को नहीं बनने देंगे आतंकी गतिविधियों का केंद्र

बेंगलूरु को इंक्युबेशन सेंटर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं आतंकी संगठन

बेंगलुरु में एनआईए का क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किया जाएगा: तेजस्वी सूर्या

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर भाजयुमो के नवनियुक्त अध्यक्ष एवं सांसद तेजस्वी सूर्या ने बेंगलुरु दक्षिण भारत का वित्तीय केंद्र बिंदु है, इसलिए इस शहर को सभी आतंकवादी तथा भारत विरोधी संगठनों और उनकी गतिविधियों से सुरक्षित रखना महत्वपूर्ण है। सूर्या ने कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है कि अगस्त में डीजे हल्ली और केजी हल्ली में भीड़ द्वारा आगजनी और हिंसा की एनआईए द्वारा जांच से यह संकेत मिले हैं कि कई आतंकवादी संगठन भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बेंगलूरु को इंक्युबेशन सेंटर के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

ऐसे में ये महत्वपूर्ण है कि एनआईए को कर्नाटक में आतंक संबंधी गतिविधियों की जांच करने के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे और कर्मियों के साथ सशक्त किया जाए। इस बावत वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मिलकर अनुरोध किए थे कि बेंगलुरु में एनआईए का एक स्थायी स्टेशन हाउस स्थापित किया जाए। शाह ने उन्हें भरोसा दिया है।

सूर्या ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि अमित शाह द्वारा त्वरित कार्रवाई पिछले कुछ वर्षों में बेंगलुरु और कर्नाटक में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि के आधार पर हुई। सूर्या ने बताया कि बेंगलुरु में हैदराबाद और कोच्चि की तरह एनआईए मुख्यालय के शाखा कार्यालय की स्थापना की आवश्यकता पर बल दिया था। सूर्या ने कहा कि बेंगलुरु को आतंकी गतिविधियों से मुक्त रखना महत्वपूर्ण है और पर्याप्त मानव तथा अन्य संसाधनों से सुसज्जित एनआईए कार्यालय ऐसी गतिविधियों को रोकने में मदद करेगा।

भाजयुमो अध्यक्ष सूर्या ने बताया कि एनआईए ने कर्नाटक के उच्च न्यायालय के समक्ष एक जनहित याचिका के जवाब में काउंटर एफिडेविट दायर किया है। एफिडेविट के अनुसार एनआईए के बेंगलुरु कैंप कार्यालय में बुनियादी ढांचे और मानव संसाधनों की कमी है। यह कार्यालय वर्तमान में हैदराबाद से आवश्यकता से बहुत कम कर्मचारियों के साथ काम कर रहा है।

भाजयुमो सभी युवाओं के लिए एक मंच है: तेजस्वी सूर्या

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने आज यहां देशभर के युवाओं का आह्वान किया कि वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी से जुड़े, क्योंकि भाजयुमो सभी युवाओं के लिए एक अच्छा मंच है। भारतीय जनता युवा मोर्चा में देश भर में अधिक से अधिक जमीनी स्तर के नेतृत्व को तैयार करने और उन्हें प्रशिक्षित करने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए युवा मोर्चा देश के सभी युवाओं के लिए मंच बना रहेगा। देश के सबसे कमजोर वर्गों में से सबसे मजबूत नेता आएंगे। युवा मोर्चा आप सब युवाओं का मंच होगा। एक दिन पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए सांसद तेजस्वी सूर्या ने आज अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष का आभार जताया। उन्होंने कहा कि उनकी नियुक्ति से सभी युवा कार्यकर्ताओं की आकांक्षाओं के लिए एक सुखद अनुभव के रूप में आया है। लिहाजा अब, युवा मोर्चा देश भर में अधिक से अधिक जमीनी नेतृत्व का पोषण करेगा। उन्होंने कहा कि उनके जैसे युवा कार्यकर्ता को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और दुनिया के सबसे युवा देश में, दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के राष्ट्रीय युवा संगठन की जिम्मेदारी दी गई है। यह भाजपा में ही संभव है। भारतीय जनता युवा मोर्चा में हम देश भर में अधिक से अधिक जमीनी स्तर के नेतृत्व को तैयार करने और उन्हें प्रशिक्षित करने का प्रयास करेंगे।

जसवंत सिंह उत्कृष्ट सांसद, महान प्रशासक और देशभक्त थे: आडवाणी

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर । भाजपा के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी ने रविवार को दिवंगत जसवंत सिंह को अपना सबसे करीबी सहयोगी और प्रिय मित्र बताया। उन्होंने कहा कि वह ''उत्कृष्ट सांसद, कुशल राजनयिक, महान प्रशासक और इन सबसे ऊपर एक देशभक्त थे।''

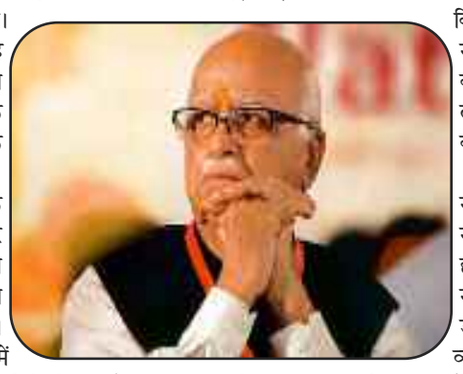

उल्लेखनीय है कि जसवंत सिंह का रविवार को नई दिल्ली में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 82 साल के थे। आडवाणी ने एक बयान में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी नीत सरकार में सिंह ने अकेले और कुशलता से तीन सबसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों विदेश, रक्षा और विदेश को संभाला। उन्होंने रेखांकित किया कि राजग सरकार के उन छह वर्षों (वर्ष 1998 से 2004 तक) में कठिन मुद्दों को संभालने के दौरान ''अटलजी, जसवंत जी और मेरे बीच एक विशेष संबंध बन गया था।'' जसवंत सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए आडवाणी ने कहा कि उनके पास शब्द नहीं है। आडवाणी ने कहा, ''एक व्यक्ति के तौर पर जसवंत जी एक भद्र पुरुष थे और उन्हें मृदुभाषी, विद्वान और गर्मजोशी वाले व्यक्ति के तौर पर याद किया जाएगा। वह अपने तीक्ष्ण तार्किक दिमाग के लिए जाने जाते थे और पूरे राजनीतिक जगत में सम्मानित व्यक्ति थे।'' उन्होंने कहा कि जसवंत सिंह भाजपा के कद्दावर नेताओं में से थे और उन्होंने वर्षों तक पार्टी में अपना योगदान दिया। गौरतलब है कि 92 वर्षीय आडवाणी सबसे लंबे समय तक भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने वाले नेता हैं। भाजपा के वयोवृद्ध नेता ने रेखांकित किया कि जसवंत सिंह पुस्तकों से प्रेम करते थे और कहा कि कई बार हम साझा रुचि को लेकर नोट्स की अदलाबदली करते थे।

आडवाणी ने कहा, ''मैं सार्वजनिक जीवन में उनके साथ अपने लंबे जुड़ाव और हमारे परिवारों के बीच के संबंधों को साझा करता हूं... उनका निधन देश और व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए बड़ी क्षति है। ईश्वर उनकी आत्मा शांति दें।'' गौरलतब है कि जसवंत सिंह ने अपनी किताब में पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की प्रशंसा की थी। जिसके बाद वर्ष 2009 में उन्हें भाजपा से निष्कासित कर दिया गया था और आडवाणी ने उनकी वापसी में अहम भूमिका निभाई थी।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह का निधन

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित कई नेताओं ने जताया शोक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 27 सितंबर। विदेश, वित्त और रक्षा मंत्री बनने का गौरव हासिल करने वाले एवं पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी के बेहद करीबी रहे पूर्व केन्द्रीय मंत्री जसवंत सिंह का लंबी बीमारी के बाद रविवार को यहां निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राजस्थान, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा व अन्य दलों के वरिष्ठ नेताओं ने सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे सिंह ने दिल्ली में सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में अंतिम सांस ली। सैन्य अस्पताल ने एक बयान जारी कर कहा, ''बड़े दुख के साथ सूचित किया जा रहा है कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जसवंत सिंह का आज सुबह 6.55 बजे निधन हो गया। उन्हें 25 जून को भर्ती कराया गया था। आज सुबह दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हुआ।'' बयान में कहा गया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने उन्हें

बचाने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक उनका अंतिम संस्कार आज ही राजस्थान के जोधपुर में होगा।

पूर्व सैन्य अधिकारी सिंह अगस्त 2014 में अपने घर में गिरने के बाद से बीमार थे। उन्हें सेना के रिसर्च एंड रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद से उन्हें कई बार अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस साल जून में उन्हें दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। राष्ट्रपति कोविंद ने उन्हें उत्कृष्ट सांसद, असाधारण जननेता और बुद्धिजीवी करार देते हुए कहा, ''जसवंत सिंह ने अनेक कठिन भूमिकाओं को सहजता और धैर्य के साथ निभाया।

उनके परिवार, मित्रों और सहयोगियों के प्रति मेरी शोक संवेदना।'' प्रधानमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा, ''जसवंत जी को राजनीति तथा समाज से संबंधित मामलों में उनके अद्वितीय दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने भाजपा को मजबूती देने में भी योगदान दिया। मैं उनके साथ हुए संवाद को याद कर रहा हूं। मेरी ओर से उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदनाएं। ॐ शांति।'' मोदी ने कहा, ''अटल जी की सरकार में उन्होंने वित्त, रक्षा और विदेश मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों को संभाला और इन क्षेत्रों में गहरी छाप छोड़ी। उनके निधन से दुखी हूं।''

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में सिंह को जब भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो वह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में राजस्थान के बाड़मेर से मैदान में उतरे थे। हालांकि उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। जसवंत सिंह ने पश्चिम बंगाल के दार्जीलिंग संसदीय क्षेत्र का भी लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया। प्रधानमंत्री ने जसवंत सिंह के पुत्र मानवेंद्र सिंह से फोन पर बात की और अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं। मोदी ने कहा कि जसवंत सिंह बहुत बहादुरी से पिछले छह साल से अपनी बीमारी से लड़ रहे थे।

प्रकृति के नजदीक ले जाने वाला टूरिज्म देता है रोजगार: योगी

गोरखपुर, 27 सितंबर (वेबवार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर में गोरखपुर वन प्रभाग द्वारा बनाई गई ईको टूरिज्म पर आधारित दो शार्ट फिल्मों के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यटन में रोजगार की अनंत संभावनाएं हैं। इसलिए प्रदेश सरकार ने टूरिज्म और ईको टूरिज्म के जरिए रोजगार के अवसर को बढ़ाने की दिशा में कार्य शुरू किया है। टूरिज्म न केवल हमें प्रकृति के नजदीक ले जाता है, बल्कि रोजगार के द्वार भी खोलता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए भी यह महत्वपूर्ण है। पर्यटन का मतलब सिर्फ टूरिस्ट स्पॉट या मनोरंजन नहीं है। टूरिज्म न केवल हमें प्रकृति के नजदीक ले जाता है, बल्कि रोजगार के द्वार भी खोलता है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां न केवल धार्मिक पर्यटन बल्कि ईको टूरिज्म के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। विश्व पर्यटन दिवस की थीम 'टूरिज्म एवं रूरल डेवलपमेंट' के मुताबिक ही गोरखपुर समेत समूचे प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्र में पर्यटन और रोजगार की संभावनाएं बढ़ाई जाएंगी। इस दौरान उन्होंने गोरखपुर वन प्रभाग द्वारा बनाई गई शॉर्ट फिल्मों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आबादी के हिसाब से यूपी सबसे बड़ा प्रदेश है। यहां ऐसे बहुत से स्थल हैं, जिन्हें ईको टूरिज्म की दृष्टि से विकसित किया जा सकता है। गोरखपुर के अलावा 428 वर्ग किलोमीटर के विस्तृत भूक्षेत्र में फैला हुआ गण्डक नदी का पश्चिमी क्षेत्र महराजगंज सोहगी बरवा वन प्रभाग के रूप में इको टूरिज्म का बहुत बड़ा सेंटर है। लखीमपुर खीरी में चूका और चंदौली के चंद्रप्रभा वन प्रभाग का भी क्षेत्र ईको टूरिज्म की दृष्टि से बहुत समृद्धशाली है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर वन विभाग द्वारा प्रस्तुत डक्यूमेंट्री ऐसी ही संभावनाओं की दिशा में एक प्रयास है। वन विभाग, पर्यटन विभाग और अन्य विभाग मिल कर इसे आगे बढ़ाएं।

मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना कोरोना संकटकाल के बाद फिर शुरू होगी

(विशेष संवाददाता)

देवास, 27 सितंबर । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने कहा है कि कोरोना संकटकाल समाप्त होते ही मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना फिर से प्रारंभ की जाएगी। चौहान ने देवास जिले के हाटपीपल्या विधानसक्षा क्षेत्र के बरोठा में कल करोड़ों रुपयों के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद थे।

चौहान ने कहा कि बुजुर्गों को तीर्थदर्शन कराने संबंधी योजना मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना कोरोनासंकट काल के बाद फिर से क्रियान्वित होगी। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट के कारण आर्थिक और अन्य तरह की गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुयी हैं। इसके बावजूद सरकार का प्रयास है कि सभी लोगों के हित संरक्षित रहें और आर्थिक गतिविधियां फिर से प्रारंभ हो सकें। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाटपीपल्या के 147 गांवों की 41 हजार हेक्टेयर जमीन पर सिंचाई की सुविधा मुहैया कराई जायेगी। प्रदेश की कोई भी कृषि उपज मण्डी बंद नहीं होगी। किसान चाहें, तो अपनी उपज घर बैठे या मंडी के बाहर बेच सकेंगे। किसानों को यह स्वतंत्रता दी गई है। चौहान ने बरोठा के निवासियों को आश्वासन दिया कि जो भी मांगें उनके समक्ष रखी गई हैं, उन्हें वे हर हाल में पूरा करेंगे। बरोठा में भी सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी तथा आगामी तीन वर्षों में घरघर नल कनेक्शन लगाये जायेंगे। गरीबों को पक्के आवास देकर उन आवासों का पट्टा भी दिया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान ने पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कैलाश जोशी, पूर्व मंत्री दिवंगत तुकोजीराव पवार और अमर शहीद जवान जागेश्वर धाकड़ को श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यसभा सांसद सिंधिया ने कहा कि लम्बे समय तक देवास में स्वर्गीय तुकोजीराव पवार ने कुशल नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि पूर्व विधायक मनोज चैधरी कोरोना से संक्रमित हो गये हैं, लेकिन जल्द ही वे कोरोना पर विजय प्राप्त कर जनता के बीच आकर कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक चौधरी ने वीडियो संदेश के माध्यम से उपस्थित लोगों को संबोधित किया और पेयजल, डेम, पुलपुलिया, बिजली, सिंचाई की सुविधा की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उप्र: बच्चों को स्कूल भेजने को तैयार नहीं हैं माता-पिता

प्रयागराज, 27 सितंबर (वेबवार्ता)। प्रयागराज जिले में उत्तर प्रदेश बोर्ड के एक हजार माध्यमिक स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों में से 80 फीसदी के मातापिता कोविड19 महामारी के बीच अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार नहीं हैं। उप्र बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ला ने स्कूलों के जिला निरीक्षकों (डीआईओएस) को निर्देश दिया था कि वे महामारी के बीच फिर से शुरू किए गए स्कूलों में अपने बच्चों को भेजने को लेकर मातापिता से लिखित में अनुमति लें।

डीआईओएस आर.एन. विश्वकर्मा ने कहा, 'हमने 9 वीं कक्षा से लेकर 12 वीं कक्षा तक के ऐसे 3,42,657 छात्रों के मातापिता से संपर्क किया, जिनके घर कंटेनमेंट जोन में नहीं थे। उनमें सिर्फ 71,958 (21 प्रतिशत) छात्रों के मातापिता ही अपने बच्चों को स्कूल भेजने और शिक्षकों से मिलने के लिए सहमत हुए।' शेष 79 प्रतिशत मातापिता महामारी के चलते अपने बच्चों की सुरक्षा के बारे में अभी भी अनिश्चित थे। बता दें कि महामारी के कारण मार्च के बाद से ही स्कूल बंद हैं और छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। यूपी बोर्ड के अधिकारियों ने छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं में आने वाली समस्याओं पर अपने शिक्षकों से बातचीत करने की अनुमति देने की योजना बनाई है। राज्य के 28,000 से अधिक उप्र बोर्ड के स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक में लगभग 1.25 करोड़ छात्र पढ़ते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'अकेले प्रयागराज में 3,79,961 छात्र 1,079 स्कूलों में नामांकित हैं। इनमें से 1,023 स्कूल कंटेन्मेंट जोन के बाहर स्थित हैं और कक्ष 6ठी से 12 वीं तक 3,42,657 स्टूडेंट्स दाखिला ले चुके हैं। वहीं प्रयागराज में कंटेन्मेंट जोन के बाहर उप्र बोर्ड के स्कूलों की संख्या 56 है।' अधिकारी ने कहा कि एक जागरूकता अभियान के जरिए 2,65,153 छात्रों के अभिभावकों को सरकार द्वारा विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों से उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न शैक्षणिक सामग्री से अवगत कराया गया है।

दो गज की दूरी और थोड़ी समझदारी, पड़ेगी कोरोना पे भारी का नारा दिया

स्वास्थ्य मंत्री डा हर्षधन ने सोशल मीडिया के जरिये लोगों से किया संवाद

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने रविवार समवाद के तीसरे एपिसोड में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बातचीत करने वालों से पूछे गए सवालों के जवाब दिए। वर्तमान कोविड संकट के अलावा चिकित्सा बुनियादी ढांचे, भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के भविष्य, जलवायु परिवर्तन अनुसंधान में भारत के योगदान और मौसम विज्ञान में प्रगति के बारे में प्रश्न शामिल थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने चरणबद्ध तरीके से स्कूलों को खोलने के बारे में आशंकाओं को दूर किया और सैलून तथा हेयरस्पा का दौरा करते समय उचित प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी। स्वास्थ्य मंत्री ने सभी लोगों को कोविड बारे में हमेशा जागरूकता बढ़ाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि वह खुद अपनी कार को रोककर कोविड निर्देशों का अनुपालन ना करने वाले लोगों को अपने मास्क पहनने के लिए कहते हैं। उन्होंने पूजा स्थलों में भी मास्क पहनने की आवश्यकता पर फिर से जोर दिया। उन्होंने कहा, महामारी का मुकाबला तभी किया जा सकता है जब सरकार और समाज मिलकर काम करें। स्वास्थ्य मंत्री ने भी नारा दिया दो गज की दूरी, और थोड़ी समझदारी, पड़ेगी कोरोना पे भारी। उन्होंने आगे आगाह किया कि आईसीएमआर की सेरो सर्वेक्षण रिपोर्ट से लोगों में संतोष का भाव पैदा नहीं होना चाहिए। मई 2020 के पहले सीरो सर्वेक्षण में पता चला कि नोवल कोरोनो वायरस संक्रमण का देशव्यापी प्रसार केवल 0.73% था। यहां तक कि जल्द ही जारी किए जाने वाले दूसरे सीरो सर्वेक्षण के संकेत हैं कि हम किसी भी प्रकार की सामुदायिक प्रतिरोधक क्षमता हासिल करने से बहुत दूर हैं, और ऐसे में आवश्यक है

कि हम सभी को कोविड दिशानिर्देशों के अनुसार उचित व्यवहार का पालन करते रहना चाहिए। रेमेडेसिविर और प्लाज्मा थैरेपी जैसे उपचारों के व्यापक उपयोग के बारे में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने उनके तर्कसंगत उपयोग के संबंध में नियमित सलाह जारी की है। निजी अस्पतालों को भी इन जांच उपचारों के नियमित उपयोग के खिलाफ सलाह दी गई है। राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में डॉक्टरों को वेबिनार के माध्यम से और नई दिल्ली स्थित एम्स के टेलीपरामर्श सत्र के दौरान इसके बारे में जागरूक किया जा रहा है। सबूतों के आधार पर यह परिणाम सामने आया है कि यह बीमारी न केवल हमारे फेफड़ों को प्रभावित करती है, बल्कि अन्य अंग प्रणालियों, विशेष रूप से हृदय और गुर्दे को भी प्रभावित करती है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड 19 के इन पहलुओं की जांच करने के लिए पहले ही विशेषज्ञों की समितियों का गठन किया है। आईसीएमआर भी इस विषय का अध्ययन कर रहा है। आईसीएमआर भी सक्रिय रूप से पुनः संक्रमण की रिपोर्टों की जांच और शोध कर रहा है, हालांकि इस समय पुनः संक्रमण मामलों की संख्या नगण्य है, सरकार इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रही है। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों को कोविड जांच की कीमतें कम करने की सलाह दी गई है। महामारी के शुरुआती दिनों में जांच किटों के आयात के कारण कोविड नमूनों की जाँच की कीमत अधिक थीं। लेकिन अब, परीक्षण किटों की आपूर्ति भी स्थिर हो गई है और इन किटों का घरेलू उत्पादन भी शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निजी प्रयोगशालाओं को पारस्परिक रूप सहमत कम दरों पर जांच उपलब्ध करने के लिए लिखा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कई राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों से व्यक्तिगत रूप से अपने राज्यों में जांच की कीमतों में कमी के बारे में बात की है। आत्मनिर्भर भारत योजना'से जुड़े एक सवाल पर, डॉ. हर्षवर्धन ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के लिए सामान्य बुनियादी ढांचे के उत्पादन और प्रोत्साहन के लिए भारत की दो तरफा रणनीति की बात की। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि इस क्षेत्र में आयात के विकल्प भी है ।

पति को भतीजे की कैद से छुड़ाने को पत्नी पहुंची हाईकोर्ट

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसएसपी कानपुर नगर को निर्देश दिया है कि भतीजे व उसकी बहू द्वारा घर में निरूद्ध सीनियर सिटीजन राम चन्द्र को पुलिस सुरक्षा और कोविड 19 के नियमों का पालन करते हुए एक अक्तूबर को दो बजे कोर्ट में पेश करे। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने किरण व अन्य की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। 30 नवंबर 19 को शादी करने वाली सीनियर सिटीजन पत्नी किरण ने अपने पति राम चन्द्र को स्वतंत्र कराने के लिए हाईकोर्ट की शरण ली है। आरोप लगाया है कि राम चन्द्र के भतीजे मनोज कुमार व उसकी पत्नी रानी देवी ने मकान नं 2/91 शिव कटरा, लाल बंगला, चकेरी कानपुर नगर मे अवैध रूप से निरूद्ध कर रखा है। कोर्ट ने दोनों विपक्षियों को नोटिस जारी की है और चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कानपुर नगर को नोटिस तामील कर रिपोर्ट भेजने का आदेश दिया है। रामचंद्र की सुरक्षा के लिए वह जहा भी हो। तुरन्त पुलिस बल भेजे ताकि उनके जीवन को कोई हानि न पहुंचाया जा सके।